website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 अंक : 349 पेज: 8 जयपुर, मंगलवार 25 नवंबर 2025 मूल्य: 1.50 रुपये

अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने बेबाकी से अपनी बात रखी

-अमेरिका मजबूत डेमोक्रेसी का उदाहरण है जहां लीडर, पत्रकार एवं अन्य अपनी बात आसानी से कह सकते हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान ममदानी दोनों विपरीत विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी को वामपंथी मुस्लिम कहा गया और न्यूयॉर्क के जनता को ममदानी को मेयर चुनाव में हराने की अपील की और धमकाया भी कि यदि ममदानी चुनाव जीतता है तो न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक दी जाएगी। इसी तरह चुनाव के दौरान ममदानी ने भी राष्ट्रपति ट्रंप को तानाशाह कहां और इजराइल का एक तरफा साथ देने की खुलकर आलोचना की। न्यूयॉर्क की जनता ने ममदानी को भारी बहुमत से जिताया। जीतने के बाद भारत जैसे देश में सोचा गया कि अब ममदानी के साथ अच्छा नहीं होने वाला है। लेकिन इसी बीच अमेरिकी डेमोक्रेसी की खूबसूरती एवं मजबूती तस्वीर सामने आई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क मेयर ज़ोहरान ममदानी को व्हाइट हाउस में मिलने बुलाया और साथ मिलकर पत्रकार वार्ता की। पत्रकार वार्ता में राष्ट्रपति ने ज़ोहरान ममदानी की तारीफ की और न्यूयॉर्क के विकास के लिए योग्य लीडर बताया और साथ मिलकर काम करने का वादा किया। दूसरी तरफ ममदानी ने भी न्यूयॉर्क के विकास के लिए वहां की जनता के भले के लिए साथ चलने और मदद लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं होने की बात की। ममदानी ने राष्ट्रपति ट्रंप की इजराइल को दी जा रही आर्थिक एवं सैन्य मदद की आलोचना की। पत्रकारों के सामने ट्रंप की उपस्थिति में ममदानी ने साफ-साफ कहा कि इजराइल अमेरिकी फंडिंग और हथियारों की मदद से फिलिस्तीनियों का जिनोसाइट (genoside) कर रहा है जो कतई सही नहीं माना जा सकता है। ट्रंप ने ममदानी के द्वारा तानाशाह कहे जाने पर भी बुरा मानने से इनकार कर दिया। पत्रकारों ने भी खुलकर सवाल पूछे और जवाब लिए। इसीलिए अमेरिका की डेमोक्रेसी बहुत मजबूत और देश शक्तिशाली है। दूसरे काफी देशों में सत्ता के विरोध में और स्वतंत्रता से अपने विचार रखने के अधिकार छीने जा रहे हैं या छीन लिए गए हैं। जबकि अमेरिका में नस्ल, धर्म, जाति, समुदाय के आधार पर कोई पक्षपात नहीं किया जाता है।

योगी सरकार मदरसों की निगरानी एटीएस से कराएगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मदरसे और कुछ निजी संस्थाओं पर शिकंजा कसना शुरु दिया है। सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना रखने के उद्देश्य से योगी सरकार ने नया प्रोटोकॉल लागू करते हुए मदरसों को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार के नए आदेश में मदरसों में पढ़ाने वाले मौलाना और सभी छात्रों का पूरा ब्यौरा एटीएस को सौंपना होगा। देश की राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद राज्य सरकार ने ये आदेश दिया है। अपने अपने स्तर पर कई राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों ने जांच का दायरा बढ़ा दिया हैं। दिल्ली में लाल किले के पास कार धमाके के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड़ में आई है। केंद्रीय एजेंसियों के साथ राज्य स्तरीय टीमों को भी निर्देश मिला है। धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों की क्रॉस-चेकिंग करने की बात कही है। एजेंसियों का साफ कहना है कि यह कदम किसी संस्था के खिलाफ नहीं बल्कि सुरक्षा को प्राथमिकता देने की नीति का हिस्सा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को शुरुआती स्तर पर रोका जा सके। नए आदेश के अनुसार, प्रदेश के हर मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे को अपने यहां कार्यरत सभी शिक्षकों और धार्मिक प्रशिक्षकों की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, मोबाइल नंबर, स्थाई पता, आधार कार्ड विवरण और अन्य पहचान संबंधी कागजात एटीएस कार्यालय को उपलब्ध कराने होंगे। इसी तरह, मदरसों में पढ़ने वाले सभी छात्रों का विवरण और मोबाइल नंबर भी लिस्टेड कर जमा करना होगा। यह सुरक्षा ऑडिट का हिस्सा है, ताकि किसी भी संस्थान में संदिग्ध तत्वों की मौजूदगी को समय रहते पहचाना जा सके। खुफिया एजेंसियों ने हाल ही के समय में धार्मिक संस्थानों में बाहरी राज्यों के युवाओं की बढ़ती आवाजाही पर सतर्कता बरती है। इसी को ध्यान में रखते हुए ATS को मदरसों के व्यापक बैकग्राउंड वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी सौंपी है।

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन:

पीएम मोदी से लेकर राहुल गांधी तक, पूरे सियासी जगत ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई। मुंबई से एक बेहद दुखद ख़बर—बॉलीवुड के 'हीमैन' और सुपरस्टार धर्मेंद्र का 89 वर्ष की उम्र में निधन। उनके जाने से न सिर्फ़ फिल्म इंडस्ट्री, बल्कि सियासी गलियारों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ सहित देश के तमाम बड़े नेताओं ने उनके देहांत पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी का शोक संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि धर्मेंद्र जी का जाना भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे न सिर्फ़ एक शानदार अभिनेता थे बल्कि अपनी सादगी और विनम्रता से हर दिल में बसते थे। पीएम ने कहा—"इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।"

राहुल गांधी ने बताया अपूरणीय क्षति

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा—
"महान अभिनेता धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय कला जगत की अपूरणीय क्षति है। सात दशकों तक सिनेमा को दिए उनके योगदान को हमेशा प्यार और सम्मान के साथ याद किया जाएगा।"
उन्होंने परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना जताई।

अमित शाह की भावुक श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा कि 6 दशकों तक लोगों के दिलों पर राज करने वाले धर्मेंद्र जी ने अपनी हर भूमिका को जीवंत कर दिया। उन्होंने कहा—"एक सामान्य परिवार से उठकर उन्होंने बॉलीवुड में अमिट पहचान बनाई। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें।"

योगी आदित्यनाथ का संदेश

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा—
"धर्मेंद्र जी का निधन कला जगत की अत्यंत बड़ी क्षति है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिवार को शक्ति प्रदान करें।"

अन्य नेताओं की प्रतिक्रियाएँ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी धर्मेंद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।

दिल्ली धमाके पर ओवैसी का बड़ा हमला:

"जो देश का दुश्मन है, वह मेरा दुश्मन"... AIMIM चीफ ने साजिशकर्ताओं को बताया मुल्क का गद्दार

तेलंगाना। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार बम धमाके ने पूरे देश को हिला दिया है। इस घटना को लेकर AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर कड़ा बयान दिया है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "जो देश का दुश्मन है, वह मेरा दुश्मन है।"
ओवैसी ने कहा कि किसी तालीमी इदारे (शैक्षणिक संस्थान) में बैठकर बम बनाने की साजिश रचना मुसलमानों की मेहनत और उनके तालीमी कामों को बदनाम करने की कोशिश है, जिसकी वे सख्त निंदा करते हैं। उन्होंने कहा—"जो लोग स्कूल का एक कमरा तक नहीं बना सकते, वे जालिम अमोनियम नाइट्रेट लेकर बैठते हैं।"

धमाके में 14 मौतें, हिंदू–मुस्लिम दोनों प्रभावित

ओवैसी ने कहा कि दिल्ली धमाके में अब तक करीब 14 लोगों की मौत हो चुकी है और इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि निर्दोषों को निशाना बनाने की सोच न सिर्फ निंदनीय है बल्कि देश को अस्थिर करने की कोशिश भी है। ओवैसी बोले—"हम ऐसी हरकत करने वालों को खुलकर नापसंद करते हैं। जो इस मुल्क का दुश्मन है, वह मेरा भी दुश्मन है।"

"हम सेकेंड क्लास सिटिजन नहीं बनेंगे"

अपने संबोधन में ओवैसी ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करते हुए कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि मुसलमानों को सेकेंड क्लास नागरिक बनाया जा सकता है, लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा।
उन्होंने कहा—"हम खत्म हो जाएंगे लेकिन जब तक मुसलमान रहेगा, बाइज्जत हिंदुस्तानी बनकर रहेगा। हम अपने हक के लिए सरकार से लड़ते रहेंगे और मस्जिदों की हिफाजत करते रहेंगे। तुम एक मस्जिद गिराओगे, हम लाखों मस्जिदें बनाएंगे।"

"हमने कभी भारत से नफरत नहीं की"

ओवैसी ने जनसभा में कहा कि मुस्लिम समुदाय पर वफादारी के सवाल उठाए जाते हैं, गालियां दी जाती हैं, लेकिन इसके बावजूद मुसलमानों ने कभी भारत से नफरत नहीं की। उन्होंने कहा—"हमने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई है, मुल्क के खिलाफ नहीं। अगर तुम भारत के मुसलमानों को दबाओगे, तो देश को कमजोर करोगे।"

समानता और संविधान की बात

ओवैसी ने संविधान के अधिकारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत जैसे देश को शांति और विकास तभी मिलेगा जब सभी नागरिकों को समानता की नजर से देखा जाए। उन्होंने कहा—"19 करोड़ मुसलमानों को नफरत की नजर से देखोगे तो हिंदुस्तान कैसे तरक्की करेगा? संविधान सबको बराबरी का हक देता है, इसे भूल क्यों जाते हो?"

इंडिया गेट पर हिड़मा के पोस्टर और 'लाल सलाम' के नारे:

प्रदूषण विरोधी प्रदर्शन में बवाल, 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार देर शाम इंडिया गेट पर वायु प्रदूषण के खिलाफ आयोजित प्रदर्शन अचानक विवादों से घिर गया। प्रदर्शन में शामिल कुछ लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा के पोस्टर लहराए और उसके समर्थन में नारे लगाए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई और उसे जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने "माड़वी हिड़मा अमर रहे" और "माड़वी हिड़मा को लाल सलाम" जैसे नारे लगाए। एक पोस्टर में लिखा था—"बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा।" इन नारों से माहौल तनावपूर्ण हो गया और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। भीड़ ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे 3–4 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए सोमवार को दो अलग-अलग थानों में FIR दर्ज की। अब तक 22 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कुछ अन्य की पहचान की जा रही है। बता दें कि माड़वी हिड़मा पर एक करोड़ रुपये का इनाम था। 18 नवंबर को आंध्र प्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने उसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। हिड़मा पिछले 25 साल से बस्तर में सक्रिय था और माओवादी संगठन का दंडकारण्य स्पेशल जोन कमेटी का अहम कमांडर था। वह सुरक्षा बलों पर हुए 26 बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता था। इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की जगह हिड़मा के समर्थन में लगे नारे सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गए हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि प्रदर्शन को भटकाने के पीछे कोई संगठित प्रयास तो नहीं था।

निखत जरीन ने 21 महीने का सूखा किया खत्म,

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में जीता गोल्ड

नई दिल्ली । निखत जरीन ने गुरुवार को विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में महिला 51 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में चीनी ताइपे की मुक्केबाज झुआन यी गुओ को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।
भारत की स्टार मुक्केबाज और दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन ने शानदार वापसी करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिया है। उन्होंने महिला 51 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में चीनी ताइपे की मुक्केबाज झुआन यी गुओ को 5-0 के अंतर से एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। निखत जरीन ने इस जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 21 महीने से चला आ रहा अपना पदक का सूखा खत्म किया है। उन्होंने इससे पहले 2023 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। फाइनल मुकाबले में निखत शुरू से ही आक्रामक दिखीं और उन्होंने चीनी ताइपे की बॉक्सर को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने मुकाबला 5-0 के स्कोर से आसानी से अपने नाम किया। निखत के साथ मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा) और नुपुर शेओरेन (80+ किग्रा) ने भी स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक-क्लास के खास डिवीजनों में अपना दबदबा दिखाते हुए, भारत की महिलाओं ने ऐतिहासिक जीत के साथ बढ़त बनाई, जबकि पुरुषों के सेक्शन में दो स्वर्ण पदक मेजबान देश के लिए एक अहम मील के पत्थर बन गए। भारत ने इस अभियान को कैंपेन को नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक के साथ खत्म किया, जिसमें हिस्सा लेने वाले 20 मुक्केबाज़ों में से हर एक ने पोडियम पर जगह बनाई। 20 नवम्बर गुरुवार का दिन भारत की महिलाओं के नाम रहा, जिन्होंने दोपहर के सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) के साथ एक-एक स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह शाम के सेशन में निखत जरीन (51 किग्रा), जैस्मिन लैम्बोरिया (57 किग्रा), और परवीन (60 किग्रा), सभी पोडियम पर टॉप पर पहुंचीं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक्स में सभी वेट कैटेगरी में जेंडर पैरिटी लाने की तैयारी है, ऐसे में आखिरी दिन भारतीय महिलाओं के दबदबे ने वर्ल्ड बॉक्सिंग में देश के बढ़ते रुतबे को और दिखाया। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैम्पियनशिप के जरिये वापसी करने वाली निखत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया था। निखत आखिरी बार 20 महीने पहले पिछले साल फरवरी में स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में पोडियम तक पहुंची थी।

यूपी में फिर गरजा बुलडोजर:

मौलाना तौकीर रजा के करीबी का तीन मंजिला शोरूम; 16 दुकानें जमींदोज

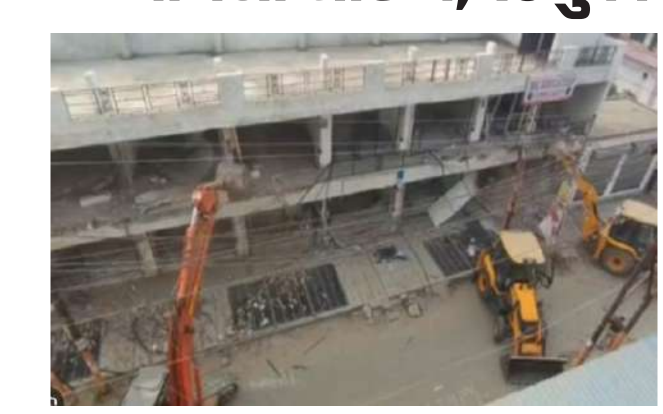

बरेली। यूपी के बरेली में इस साल 26 सितंबर को हुए दंगे को भड़काने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी आरिफ पर प्रशासन का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। बरेली में एक बार फिर बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। यहां पीलीभीत रोड पर आरिफ के फहम लान, फ्लोरा गार्डन और स्काई लार्क होटल पर सीलिंग के बाद, बरेली विकास प्राधिकरण (BDA) ने आरिफ की अवैध मार्केट और शोरूम पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई शुरू कर दी। भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। इस कार्रवाई से इलाके में खलबली मच गई।
शनिवार की सुबह लगभग 11 बजे बीडीए ने पीलीभीत बाईपास रोड और जगतपुर क्षेत्र में उसकी दो बड़ी संपत्तियों पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई शुरू होते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी और भारी दहशत फैल गई। बीडीए की टीम के अवैध निर्माण ढहाने पहुंचने से पहले ही पुलिस ने पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया था। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो सके। स्थानीय लोग दूर खड़े कार्रवाई को होते देखते रहे।

कपड़ों का शोरूम और पूरी मार्केट अवैध पाए जाने पर कार्रवाई-

बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए मनिकंडन ने बताया कि आरिफ ने जगतपुर में बनी पूरी मार्केट और पीलीभीत बाईपास पर बने कपड़ों के शोरूम का निर्माण बिना नक्शा स्वीकृत कराए किया था। पूरे परिसर में जिम, होम डेकोर सेंटर और कई दुकानों का संचालन चल रहा था। जांच में निर्माण अवैध पाए जाने के बाद बीडीए ने पहले 11 अक्टूबर को दोनों परिसरों को सील किया था। शनिवार को बीडीए ने 15 दुकानों और दो बड़े शोरूम पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया। टीम ने परिसर के पिछले हिस्से से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आगे बढ़ाई और जेसीबी की एक के बाद एक चोट से दीवारें गिरनी शुरू हो गईं।

गाजियाबाद बम विस्फोट मामले में मोहम्मद इलियास बरी

-इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बताया कानूनी त्रुटि

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 1996 के मोदीनगर-गाजियाबाद बस बम विस्फोट मामले में मोहम्मद इलियास की दोषसिद्धि इस आधार पर रद्द कर दी है कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप सिद्ध करने में विफल रहा। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने इलियास द्वारा दायर अपील स्वीकार कर ली और उसे बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ आरोपों को सिद्ध करने में "बुरी तरह विफल" रहा और पुलिस द्वारा दर्ज कथित स्वीकारोक्ति बयान, साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत अस्वीकार्य है। अदालत ने 10 नवंबर के अपने आदेश में कहा कि वह "भारी मन से" बरी करने का आदेश पारित कर रही है क्योंकि यह मामला ऐसी प्रवृत्ति का है कि उसने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया था। इस "आतंकी हमले" में 18 लोगों की जान गई थीं।
हाई कोर्ट ने कहा, "अभियोजन पक्ष ये आरोप साबित करने में बुरी तरह विफल रहा कि अपीलकर्ता ने बस में बम विस्फोट करने के लिए सह आरोपियों के साथ मिलकर एक बम रखने का षड़यंत्र रचा। इसलिए निचली अदालत में दोषसिद्धि के तथ्य और अपीलकर्ता को दी गई सजा रद्द किए जाने योग्य है।" अदालत ने कहा, "निचली अदालत ने पुलिस की उपस्थिति में दर्ज अपीलकर्ता के कथित कबूलनामे के ऑडियो कैसेट पर भरोसा करते हुए भारी कानूनी त्रुटि की। यदि इस साक्ष्य को अलग कर दिया जाए तो आरोप के समर्थन में अपीलकर्ता के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। वहीं अपीलकर्ता और सह आरोपियों की न्यायेतर स्वीकारोक्ति के गवाह सुनवाई के दौरान मुकर गए और अभियोजन के मामले में समर्थन नहीं किया।"

10 व्यक्तियों की मौके पर हुई थी मौत

उल्लेखनीय है कि साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 यह व्यवस्था देती है कि एक पुलिस अधिकारी के समक्ष कोई भी स्वीकारोक्ति, किसी भी अपराध के आरोपी के खिलाफ साक्ष्य नहीं माना जाएगा। दिल्ली से 27 अप्रैल 1996 को दोपहर 3:55 बजे एक बस निकली जिसमें 53 यात्री सवार थे और बाद में और 14 यात्री बस में सवार हुए। शाम करीब पांच बजे जैसे ही बस मोदीनगर पुलिस थाना (गाजियाबाद) से आगे निकली, बस के अगले हिस्से में एक जबरदस्त बम विस्फोट हुआ जिसमें 10 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और करीब 48 यात्री घायल हो गए। फॉरेंसिक जांच में पुष्टि हुई कि कार्बन मिश्रित आरडीएक्स बस चालक की सीट के नीचे रखा गया था और यह विस्फोट एक रिमोट स्विच के जरिए किया गया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि यह हमला पाकिस्तानी नागरिक और हरकत-उल-अंसार के कथित जिला कमांडर अब्दुल मतीन उर्फ इकबाल द्वारा मोहम्मद इलियास (अपीलकर्ता) और तसलीम नाम के व्यक्ति के साथ षड़यंत्र कर किया गया।

2013 में सह आरोपी तसलीम को किया था बरी

ऐसा आरोप है कि इलियास को जम्मू कश्मीर में कट्टरपंथी बनाया गया था। निचली अदालत ने 2013 में सह आरोपी तसलीम को बरी कर दिया था, लेकिन इलियास और अब्दुल मतीन को भारतीय दंड संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया था तथा दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। तसलीम को बरी किए जाने के खिलाफ सरकार की ओर से कोई अपील दाखिल नहीं की गई थी और इस बात की भी कोई सूचना नहीं है कि क्या अब्दुल मतीन ने कोई अपील दाखिल की या नहीं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या चुनाव आयोग भाजपा और एनडीए को जिताने का काम करता है?

भारत के चुनाव आयोग की विश्व में चर्चा हो रही है। भारत के चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश के सबसे चर्चित व्यक्ति बन गए है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश के ऐसे चुनाव आयुक्त है जो किसी शिकायत और चुनाबी गड़बड़ी का जबाव ही नहीं देना चाहते है। इसके उलट आरोप लगाने वालो और विपक्षी दलों पर मुकदमा चलाने की धमकी देते है। देश में चुनाव आयोग पर विपक्षी नेता, समाजसेवी, वकील और बुद्धिजीवी चुनाव में धांधली और पक्षपात के आरोप लगा रहे है लेकिन चुनाव आयोग किसी भी आरोप की सफाई देना उचित नहीं समझता है। देश में पहली बार ऐसा महसूस हो रहा है कि डेमोक्रेसी के नाम पर चुनाव प्रक्रिया एक औपचारिकता भर रह गयी है। चुनावी परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि सबकुछ पहले ही निश्चित कर दिया जाता है। एक पार्टी को बम्पर बहुमत कैसे मिल जाता है जबकि वही पार्टी पिछले पांच वर्षों से सत्ता में है। उस विशेष पार्टी का राज्य एवं देश में इतना अच्छा काम भी नहीं है और जनता उसके शासन से सन्तुष्ट भी नहीं है। चुनावी माहौल भी इतना पक्ष में दिखाई नही देता है जितने विजयी परिणाम सामने आते है। पूर्व के चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग चुनावी गड़बड़ी, पक्षपात और चुनावी भ्रष्टाचार पर तत्काल कार्यवाही करने के लिए जाने जाते है। जबकि वर्तमान चुनाव आयोग चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान खुलेआम सरकारी पैसे को बांटने पर भी कोई कार्यवाही नहीं करता है। बिहार में महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये आए। यह रुपये विधानसमा चुनाव अधिसूचना से पहले और चुनावों के दौरान आए। लेकिन चुनाव आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया। नतीजा सबके सामने है। बिहार चुनाव में एक तरफा परिणाम आए। दूसरी तरक 2017 में तमिलनाडू में विधानसभा उपचुनाव की 12 अप्रैल तारीख तय की थी। सब कुछ सामान्य चल रहा था। तभी चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को मतदान से तीनदिन पहले एक बयान जारी कर कहा कि मतदाताओं को बड़े पैमाने पर धन, उपहार और अन्य प्रलोभनों के जरिए प्रभावित किया जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। इस कारण मतदान स्थिगित किया जाता है। देश में ऐसे दूसरे उदाहरण भी है जब चुनाव में गड़बडियों की शिकायत पर चुनाव आयोग ने बड़ी कार्यवाही की थी। लेकिन वर्तमान चुनाव आयोग सत्ताधारी पार्टी की चुनाव जिताने वाली एंजेशी बन कर रह गया है। चुनाव आयोग के कारण देश की जनता बेबस नजर आने लगी है। जनता के मताधिकार के अधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है। चुनाव आयोग के कारण देश में अशांति का माहोल बनने लगा है। डेमोक्रसी को खतरा पैदा हो गया है। चुनाव प्रक्रिया केवल दिखावा साबित हो रही है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग भाजपा और एनडीए को जिताने के लिए काम करता है।

हिन्दू राष्ट्र के नाम पर मुसलमान निशाने पर क्यों?

संघ देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। लेकिन इसके बहाने लगातार मुसलमानों को निशाने पर रखा जाता है और अदालतें खामोश हैं। आखिर कब तक !

संघ देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। लेकिन इसके बहाने लगातार मुसलमानों को निशाने पर रखा जाता है और अदालतें खामोश हैं। आखिर कब तक ! इस खामोशी पर हैरानी होती है कि क्या देश में संविधान खत्म हो गया है ? क्या सुप्रीम कोर्ट ने सच देखना बंद कर दिया है ? या अब देश के मुसलमानों के नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में देश का संविधान और देश का सुप्रीम कोर्ट नाकाम हो गया है ! हैरानी होती है कि संघ एक ऐसा संगठन है जिसका देश के किसी भी कानून में पंजीयन नहीं है। वह संगठन तय कर रहा है कि देश कैसे चलेगा। संघ के प्रमुख मोहन भागवत असम जाकर कह रहे हैं कि यदि मुसलमान और ईसाई देश की पूजा करना शुरू कर दें तो फिर वे भी हिंदू हैं और देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आवश्यकता नहीं होगी। सवाल यह है कि भागवतजी आपको यह अधिकार किसने दिया कि आप निर्देश जारी करें कि ईसाइयों और मुसलमानों को क्या करना है ? देश का संविधान उन्हें अपने धर्म को मानने, उसका प्रचार-प्रसार करने की इजाजत देता है। हैरानी तब होती है कि संघ के लोग सुप्रीम कोर्ट में कहते हैं कि हिंदू कोई धर्म नहीं है, बल्कि जीवन शैली है और बाहर आकर हिंदू राष्ट्र का अलाप करते हैं।

भागवतजी शायद जानते ना हो कि हिंदू एक विदेशी शब्द है और यह सिंधु नदी के पार रहने वाले लोगों के लिए इस्तेमाल हुआ था, ना कि धर्म के लिए। अब इसे आप धर्म मानने लग जायें तो यह आपकी अपनी सोच है। लेकिन सवाल यह उठता है कि देश के प्रधानमंत्री से लेकर हर पोस्ट पर हिंदू मौजूद है, फिर भी हिंदू राष्ट्र के बहाने देश के मुसलमानों के खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जाती है ? जो हमेशा जारी रहती है। मुसलमानों से नफरत का आलम यह है कि पिछले दिनों कुछ मुस्लिम परिवार पूणे के शनिवाड़ा किले में घूमने चले गए, जो पुरातत्व विभाग से संरक्षित है वहां कुछ महिलाओं ने नमाज अदा कर ली। इस पर पुरातत्व विभाग को कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन भाजपा की एक राज्य सभा सांसद मेघा कुलकर्णी की धार्मिक भावनाएं आहत हो गईं और उन्होंने एफआईआर दर्ज करने के लिए पूरे महाराष्ट्र में बवाल का खड़ा कर दिया। लेकिन मेघा कुलकर्णी को यह कभी नजर नहीं आया कि देश के ज्यादातर पार्कों में बिना अनुमति के संघ की शाखाएं लगती हैं। इतना ही नहीं देश के ज्यादातर पुलिस थानों की जमीनें सिंचाई विभाग के कार्यालय यहां तक की अस्पतालों की जमीनों पर अतिक्रमण करके मंदिर बना रखे हैं। यह उनको नजर नहीं आया। इतना ही नहीं दीपावली पर संघ के कुछ लोग दिल्ली में हज़रत निज़ामुद्दीन की दरगाह पर दीवोत्सव मनाने चले गए। अरे भाई ! तुम अपने मंदिरों पर खूब दीप जलाओ किसी को कहां ऐतराज है। लेकिन क्यों मुसलमानों की आस्था की जगहों पर जाकर हंगामा खड़ा करते हो।

मुसलमानों से नफरत का आलम यह है कि यूपी सरकार का एक मंत्री रघुनाथ सिंह खुलेआम सार्वजनिक रूप से बयान दे रहा है कि देश की सभी मस्जिदों पर ताले लगा देना चाहिए, मदरसों को बंद कर देना चाहिए और बुलडोजर चला देना चाहिए। इतना ही नहीं देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को आतंकवाद का अड्डा बता रहा है, जबकि इन्हीं मंत्री जी की केंद्र सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डाभोल सार्वजनिक रूप से ऐलान कर रहे हैं कि देश आजाद होने के बाद से पाकिस्तान की आईएसआई भारत में जासूसी करने के लिए अस्सी फ़ीसदी हिंदुओं की भर्ती करती है और वह आंकड़े बताते हुए कहते हैं कि अब तक लगभग 5 हज़ार जासूसी के मामलों में पकड़े गए लोगों में अस्सी फ़ीसदी हिंदू हैं। ऐसे में मंत्री रघुनाथ सिंह को मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और अलीगढ़ विश्वविद्यालय को आतंकवाद का अड्डा बताने से पहले अजीत डाभोल का बयान सुन लेना चाहिए था। यू पी तो मुसलमानों के खिलाफ नफरत फ़ैलाने में सबसे आगे रहता है। कुछ सालों पहले गौ मांस के रखने के नाम पर एक मुस्लिम अख्लाक की हत्या कर दी गई थी। लेकिन अब यू पी सरकार ने कोर्ट में कहा है कि जिन्हें आरोपी बनाया है उनके खिलाफ हत्या में शामिल होने के सबूत नहीं हैं, यानि अखलाक की हत्या ही नहीं हुई। लेकिन यू पी के मुख्यमंत्री कुछ भी कर सकते हैं। जो मुख्यमंत्री अपने खिलाफ चल रहे सारे मुकदमों को वापस ले सकता है तो इसको अख्लाक के हत्यारे कैसे नजर आ सकते हैं और हैरानी यह है कि यह सब कुछ हो रहा है अदालतें खामोश हैं, सुप्रीम कोर्ट खामोश है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि मुसलमानों से इतनी नफरत की वजह क्या है तो इसके लिए संघ के इतिहास में झांकना होगा। संघ के दूसरे संघ सरचालक गुरु गोवलकर ने एक किताब लिखी थी "बैच ऑफ़ थॉट" उसमें उन्होंने जिस हिंदू राष्ट्र की कल्पना की थी, उसमें उन्होंने तीन बाधाओं का जिक्र किया था। एक थे वामपंथी, दूसरे थे ईसाई और तीसरे थे मुसलमान। उनका मानना था कि इन तीन बाधाओं को अगर खत्म कर दिया जाए तो देश को आसानी से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जा सकता है। इसके लिए बस सबसे पहले उन्होंने वामपंथियों को निशाने पर लिया। जिनकी सरकारें केरल, बंगाल और त्रिपुरा तक थीं और पूरे देश के वामपंथी विचारक मौजूद थे। लेकिन संघ के प्रयासों से अब वामपंथी लगभग खत्म से हो गए हैं। फिर आए ईसाई निशाने पर।

इसके लिए उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाकर चर्चों पर हमले किए गए और गत वर्षों में मणिपुर में जो हुआ और पूरे देश ने देखा कि कैसे ईसाइयों को निशाना बनाया गया और इन सब से ईसाई समुदाय लगभग समर्पण की स्थिति में आ गया है। अब बचे मुसलमान तो ये संघ के गठन से ही उसके निशाने पर रहे हैं। लेकिन केंद्र में सत्ता के आने के बाद उसको उनका लगातार निशाने पर रखा जा रहा है। कभी लव जिहाद, तो कभी तीन तलाक, कभी वक्फ़ कानून। लेकिन इतना सब के बाद भी अभी मुसलमान वैसे खौफ में नहीं आ रहा है जैसा ये चाहते हैं। लेकिन इनके हौंसले बहुत बुलंद हैं, एक बाबा धीरेंद्र शास्त्री तो देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने के लिए यात्रा निकाल रहा है।

संविधान और देश के कानून के हिसाब से यह यात्रा सीधे-सीधे देश के संविधान को चुनौती देने वाली है और बाबा पर देशद्रोह का केस दर्ज होना चाहिए। लेकिन बाबा की यह यात्रा पूरे प्रोटोकॉल के साथ पुलिस संरक्षण में चल रही है और देश के संविधान की रक्षा करने की शपथ लेने वाली सरकार चुप है। देश का सुप्रीम कोर्ट चुप है। कुछ लोग हैं जिनकी देश के संविधान और देश के लोकतंत्र में आस्था है वे जरूर इस यात्रा का विरोध कर रहे हैं। सवाल यह है कि धीरेंद्र शास्त्री को यात्रा निकालने की आवश्यकता क्यों है केंद्र में सरकार हिंदूवादी है तो बाबा उसे सरकार से देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करवा दे।

लेकिन एक बार घोषित हो गया तो फिर मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत फैलाने का अभियान है, उसका क्या होगा ? उसे तो फिर चलना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए मुसलमानों के खिलाफ नफरत का अभियान चलाने के लिए हिंदू राष्ट्र का राग जारी रखने की जरूरत है। लेकिन इन लोगों को शायद मुसलमानों के डीएनए की समझ नहीं है वे देश के संविधान और लोकतंत्र पर पूरा भरोसा रखते हैं और वह किसी से नहीं डरते हैं और यात्रा करने वाले कितनी ही नफरत फैलाए मुसलमानों का देश के संविधान, इस देश के हिंदू मुस्लिम भाईचारे पर यकीन बरकरार था और हमेशा रहेगा।

-डॉ. शहाबुद्दीन खान

कमज़ोरों की मदद: अल्लाह की मदद का ज़रिया

इस्लाम एक रहमत और हमदर्दी का मज़हब है। इसने समाज के कमज़ोर और बेसहारा तबक़ात, ख़ास तौर पर यतीमों और बेवाओं के हुक़ूक़ और उनकी देखभाल को बहुत ज़्यादा अहमियत दी है। क़ुरान-ए-पाक में बार-बार यतीमों के साथ नरमी, उनके माल की हिफ़ाज़त और उनके साथ इंसाफ़ करने का हुक्म आया है। अल्लाह तआला फ़रमाता है, "पस तुम यतीम पर सख़्ती न करो।" (सूरह अद-दुहा: 9)

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम), जो ख़ुद एक यतीम थे, उन्होंने यतीम की कफ़ालत (देखभाल) करने वाले को जन्नत में अपने क़रीब होने की बशारत (शुभ सूचना) दी है। आपने अपनी दो उँगलियों को मिलाकर फ़रमाया, "मैं और यतीम की कफ़ालत करने वाला जन्नत में इस तरह (क़रीब) होंगे।" (सहीह बुख़ारी)

इसी तरह बेवाओं की मदद और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने को अल्लाह की राह में जिहाद करने और दिन भर रोज़ा रखने और रात भर इबादत करने के बराबर क़रार दिया गया है। यह सिर्फ़ एक शख़्स की नहीं, बल्कि पूरे इस्लामी समाज की ज़िम्मेदारी है कि वह अपने अंदर मौजूद यतीमों और बेवाओं को अकेला और बेसहारा न छोड़े। उनकी तालीम, तरबियत, सेहत और माली ज़रूरतों का ख़याल रखना एक बेहतरीन इबादत और अल्लाह की रज़ा हासिल करने का सबसे आसान तरीक़ा है। जो समाज अपने कमज़ोरों का ख़याल रखता है, अल्लाह उस समाज पर अपनी रहमतें नाज़िल फ़रमाता है।

घर: दुनिया में जन्नत का नमूना

इस्लाम चाहता है कि एक मुसलमान का घर सुकून, रहमत और मुहब्बत का गहवारा हो, जहाँ के रहने वाले दुनिया की परेशानियों से आकर पनाह और राहत महसूस करें। अल्लाह तआला ने क़ुरान में मियाँ-बीवी के रिश्ते का मक़सद ही सुकून बताया है। इस सुकून भरे माहौल को बनाने के लिए इस्लामी तालीमात हमारी बेहतरीन रहनुमाई करती हैं।

सबसे पहले घर को अल्लाह के ज़िक्र से आबाद रखा जाए। जिस घर में क़ुरान की तिलावत होती है, नमाज़ पढ़ी जाती है और अल्लाह को याद किया जाता है, वहाँ फ़रिश्ते आते हैं और शैतान दूर भागता है। नबी-ए-करीम ने फ़रमाया, "अपने घरों को क़ब्रिस्तान न बनाओ।" यानी उनमें इबादत करते रहो।

दूसरा, घर के अफ़राद (सदस्यों) के बीच आपसी ताल्लुक़ात मुहब्बत, रहमदिली और माफ़ करने पर हों। मियाँ-बीवी एक-दूसरे के हुक़ूक़ अदा करें, एक-दूसरे की ख़ामियों को नज़रअंदाज़ करें और ख़ूबियों की सराहना करें। वालिदैन औलाद पर शफ़क़त (स्नेह) करें और औलाद वालिदैन का अदब और एहतेराम करे। लड़ाई-झगड़े, ग़ीबत और एक-दूसरे पर तोहमत लगाने से घर का सुकून बर्बाद हो जाता है। सलाम को आम करना, एक-दूसरे को छोटे-छोटे हदिया देना और एक साथ बैठकर खाना खाना भी आपसी मुहब्बत को बढ़ाता है। इस्लामी उसूलों पर अमल करके ही हम अपने घरों को दुनिया में जन्नत का एक नमूना बना सकते हैं।

इंदिरा गांधी – आयरन लेडी, भारत की प्रथम महिला प्रधान मंत्री

19 नवंबर 1917 - 31 अक्टूबर 1984

इंदिरा गांधी का जन्म ब्रिटिश शासित भारत में इंदिरा नेहरू के रूप में 19 नवंबर 1917 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनके पिता जवाहरलाल नेहरू ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए भारतीय आंदोलन में एक अग्रणी व्यक्ति थे और भारत के डोमिनियन (और बाद में गणराज्य) के पहले प्रधानमंत्री बने। इंदिरा अपने माता-पिता की एकमात्र जीवित संतान थीं (उनका एक छोटा भाई था, जो युवा होने पर मर गया था)। उन्होंने 1942 में 25 साल की उम्र में फिरोज गांधी से शादी की। 1960 में दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु होने तक उनकी शादी 18 साल तक चली। उनके दो बेटे थे- राजीव और संजय।

1947 से 1964 तक अपने पिता जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, इंदिरा उनकी परिचारिका थीं और उनकी अनेक विदेश यात्राओं में उनके साथ रहीं। लाल बहादुर शास्त्री , जो 1964 में नेहरू की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री बने थे, ने उन्हें अपनी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री नियुक्त किया। जनवरी 1966 में शास्त्री की अचानक मृत्यु के बाद, इंदिरा ने अपने प्रतिद्वंद्वी, मोरारजी देसाई को कांग्रेस के संसदीय नेतृत्व के चुनाव में हराकर नेता बनीं और शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री भी बनीं। सिरीमावो भंडारनायके के बाद वह दुनिया की दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं, जब वह भारत की प्रधानमंत्री बनीं।

प्रधान मंत्री के रूप में, गांधी अपने अडिग राजनीतिक रुख और कार्यकारी शाखा के भीतर सत्ता के केंद्रीकरण के लिए जानी जाती थीं। 1967 में, उन्होंने चीन के साथ एक सैन्य संघर्ष का नेतृत्व किया जिसमें भारत ने हिमालय में चीनी घुसपैठ को खदेड़ दिया। 1971 में, वह पूर्वी पाकिस्तान में स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता संग्राम के समर्थन में पाकिस्तान के साथ युद्ध में गईं, जिसके परिणामस्वरूप भारत की जीत हुई और बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली। गांधी ने 1974 में भारत के पहले सफल परमाणु हथियार परीक्षण की शुरुआत में भी अहम भूमिका निभाई थी। उनके शासनकाल में भारत ने 1971 में सोवियत संघ के साथ एक मैत्री संधि पर हस्ताक्षर करके अमेरिका द्वारा चीन के प्रति बढ़ती नज़दीकियों के परिणामस्वरूप उत्पन्न भू-राजनीतिक ख़तरे को टालने के लिए सोवियत संघ के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। अलगाववादी प्रवृत्तियों और क्रांति के आह्वान का जवाब देते हुए, उन्होंने 1975 से 1977 तक आपातकाल की स्थिति लागू की, जिसके दौरान उन्होंने डिक्री द्वारा शासन किया और बुनियादी नागरिक स्वतंत्रताएं निलंबित कर दी गईं। 100,000 से अधिक राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और असंतुष्टों को कैद किया गया। उन्होंने अपने चौथे प्रधानमंत्रित्व काल में बढ़ते सिख अलगाववाद आंदोलन का सामना किया; जवाब में उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार का आदेश दिया, जिसमें स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई शामिल थी और सैकड़ों सिख मारे गए थे। 31 अक्टूबर 1984 को, उनके दो अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी, दोनों सिख राष्ट्रवादी थे जो मंदिर में हुई घटनाओं का बदला लेना चाहते थे। गांधी को उनके कार्यकाल के दौरान दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिला के रूप में याद किया जाता है। हेनरी किसिंजर ने उन्हें एक "आयरन लेडी" के रूप में वर्णित किया, एक उपनाम जो उनके सख्त व्यक्तित्व के साथ जुड़ गया।

गरीबी हटाओ गांधी की 1971 की राजनीतिक बोली का गूंजता हुआ विषय था। यह नारा संयुक्त विपक्षी गठबंधन के दो-शब्द घोषणापत्र- "इंदिरा हटाओ" (इंदिरा हटाओ) के उपयोग के जवाब में विकसित किया गया था।

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने चुनावी कदाचार के आधार पर 1971 में इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव को शून्य घोषित कर दिया। उनके 1971 के प्रतिद्वंद्वी राज नारायण (जिन्होंने बाद में उन्हें 1977 के संसदीय चुनाव में रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से हराया) द्वारा दायर एक चुनाव याचिका में चुनाव प्रचार के लिए सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल के कई बड़े और छोटे मामलों का आरोप लगाया गया था। गांधी ने सरकार में अपने एक सहयोगी अशोक कुमार सेन को अदालत में उनका बचाव करने के लिए कहा था। उन्होंने मुकदमे के दौरान अपने बचाव में सबूत दिए। लगभग चार साल बाद अदालत ने उन्हें बेईमान चुनाव प्रथाओं, अत्यधिक चुनाव खर्च और पार्टी के उद्देश्यों के लिए सरकारी मशीनरी और अधिकारियों का उपयोग करने का दोषी पाया।

अदालत ने उन्हें उनकी संसदीय सीट से वंचित करने का आदेश दिया और छह साल तक किसी भी पद के लिए चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया।

फैसले की खबर फैलने के बाद, सैकड़ों समर्थकों ने उनके घर के बाहर प्रदर्शन किया और अपनी वफ़ादारी का संकल्प लिया। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त ब्रज कुमार नेहरू ने कहा कि इंदिरा गांधी की सज़ा उनके राजनीतिक करियर को कोई नुकसान नहीं पहुँचाएगी। उन्होंने कहा, "श्रीमती गांधी को आज भी देश में भारी समर्थन प्राप्त है। मेरा मानना है कि भारत की प्रधानमंत्री तब तक पद पर बनी रहेंगी जब तक भारत के मतदाता कोई और फैसला नहीं कर लेते।"

गांधी ने अशांति में भाग लेने वाले अधिकांश विपक्ष की गिरफ्तारी का आदेश देकर व्यवस्था बहाल करने के लिए कदम उठाया। उनके मंत्रिमंडल और सरकार ने सिफारिश की कि तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अव्यवस्था और अराजकता के कारण आपातकाल की स्थिति घोषित करें। तदनुसार, अहमद ने 25 जून 1975 को संविधान के अनुच्छेद 352(1) के प्रावधानों के आधार पर आंतरिक अव्यवस्था के कारण आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी।

इंदिरा गांधी ने परस्पर विरोधी पार्टी सदस्यों को बदलने के लिए आपातकालीन प्रावधानों का इस्तेमाल किया:

राष्ट्रपति अहमद ने अध्यादेश जारी किए जिनके लिए संसद में बहस की आवश्यकता नहीं थी, जिससे गांधी को डिक्री द्वारा शासन करने की अनुमति मिल गई।

1980 के चुनावों से पहले इंदिरा गांधी ने उस समय जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अब्दुल्ला बुखारी से संपर्क किया और मुस्लिम वोटों का समर्थन हासिल करने के लिए 10 सूत्री कार्यक्रम के आधार पर उनके साथ एक समझौता किया। जनवरी में हुए चुनावों में, गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस (आई) भारी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी।

1977 के चुनावों के बाद, सिख -बहुल अकाली दल के नेतृत्व में एक गठबंधन उत्तर भारतीय राज्य पंजाब में सत्ता मंथ आया। अकाली दल को विभाजित करने और सिखों के बीच लोकप्रिय समर्थन हासिल करने के प्रयास में, गांधी की कांग्रेस पार्टी ने रूढ़िवादी धार्मिक नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले को पंजाब की राजनीति में प्रमुखता दिलाने में मदद की।

1983 तक, मंदिर परिसर कई उग्रवादियों के लिए एक किला बन गया था। 23 अप्रैल 1983 को, पंजाब पुलिस के उप महानिरीक्षक एएस अटवाल को मंदिर परिसर से बाहर निकलते ही गोली मार दी गई थी। अगले दिन, हरचंद सिंह लोंगोवाल (तत्कालीन अकाली दल के अध्यक्ष) ने हत्या में भिंडरावाले की संलिप्तता की पुष्टि की। कई निरर्थक वार्ताओं के बाद, जून 1984 में, गांधी ने भारतीय सेना को भिंडरावाले और उनके समर्थकों को परिसर से निकालने के लिए स्वर्ण मंदिर में प्रवेश करने का आदेश दिया। सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार नाम की कार्रवाई में टैंकों सहित भारी तोपखाने का इस्तेमाल किया। हताहतों की संख्या विवादित बनी हुई है। गांधी पर हमले का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करने का आरोप लगाया गया था। हरजिंदर सिंह दिलगीर ने कहा कि उन्होंने 1984 के अंत में होने वाले आम चुनावों को जीतने के लिए खुद को एक महान नायक के रूप में पेश करने हेतु मंदिर परिसर पर हमला किया। भारत और विदेशों में सिखों द्वारा इस कार्रवाई की तीखी आलोचना की गई। हमले के बाद सिख सैनिकों द्वारा विद्रोह की घटनाएँ भी हुईं।

31 अक्टूबर 1984 को, गांधी के दो सिख अंगरक्षकों, सतवंत सिंह और बेअंत सिंह ने , कथित तौर पर ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए, नई दिल्ली के 1 सफदरजंग रोड स्थित प्रधानमंत्री आवास के बगीचे में अपने सर्विस हथियारों से उन्हें गोली मार दी। बेअंत ने अपने बगल के हथियार का उपयोग करके उन्हें तीन बार गोली मारी; सतवंत ने 30 राउंड फायर किए। हथियार गिरा दिए और आत्म-समर्पण कर दिया। बाद में, उन्हें अन्य गार्डों द्वारा एक बंद कमरे में ले जाया गया जहां बेअंत की गोली मारकर हत्या कर दी गई अमेरिकी दिग्गज राजनीतिज्ञ हेनरी ए. किसिंजर ने इंदिरा गांधी को "लौह महिला" बताया था, एक उपनाम जो उनके सख्त व्यक्तित्व से जुड़ गया।

अजमेर दरगाह पहुंचे नीतीश सरकार के मंत्री जमा खान

-चुनाव में जीत के लिए अदा किया शुकराना

अजमेर। बिहार में नीतीश सरकार बनने के साथ ही एनडीए के इकलौते मुस्लिम एमएलए व मंत्री मोहम्मद जमा खान अजमेर शरीफ पहुंचे । उन्होंने अपनी जीत पर सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर अकीदत की चादर और फूल पेश किए। शुक्रवार रात में मोहम्मद जमा खान और उनके कार्यकर्ताओं ने ख्वाजा गरीब नवाज के आस्ताना पर शुक्र अदा किया। इन सभी को दरगाह में जियारत खादिम सैय्यद अनवर फरीदी ने कराई और दरबार की दस्तारबंदी कर तबर्रूक भेंट किया।

अकेले मुस्लिम विधायक:-

बिहार सरकार में 26 मंत्री बनाए गए हैं। जिसमें जेडीयू से इकलौते मुस्लिम एमएलए मोहम्मद जमा खान मंत्री बने हैं। वे चैनपुर से चुनाव जीते हैं। जमा खान नीतीश सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहे हैं। यही वजह है कि दोबारा जीत और मंत्री बनने पर अजमेर शरीफ शुकराना अदा करने पहुंचे। जमा खान ने बताया कि उनका परिवार ख्वाजा गरीब नवाज में आस्था रखता है। ख्वाजा साहब के करम से उन्हें जीवन मे कामयाबी भी हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार किसी जाति-मजहब में फर्क नहीं करते और सभी का सम्मान करते हैं। राज्य की तरक्की, मोहब्बत, भाईचारे के लिए उन्होंने हमेशा काम किया है। 10 बार के सीएम नीतीश कुमार की जीत के बाद राज्य में सरकार बेहतर कार्य करे, इसलिए शुक्रिया चादर पेश कर नीतीश की अच्छी सेहत की दुआ करने आए हैं।

4 मुस्लिम प्रत्याशियों में से सिर्फ जमा खान को मिली जीत:-

उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने मुस्लिम समाज की बात रखते हुए 4 टिकट दिए, लेकिन सिर्फ उन्हें ही जीत मिली और मिनिस्टर भी बनाया गया। ये जीत ख्वाजा गरीब नवाज के करम और दुआ से मिली है। जनता के लिए बेहतर कार्य अंजाम दिए जाएंगे। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहते हुए उन्होंने राज्य में गर्ल्स-बॉयज 29 आवासीय विद्यालय की मंजूरी करवाई। जिसमें 12 जगहों पर निर्माण भी करवा दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि हॉस्टल, स्कूल, मदरसे के सौन्दर्यकरण और मदरसों में वेतन में बढ़ोतरी समेत आईएस, आईपीएस, ज्यूडिशियल की फ्री कोचिंग सेंटर भी अल्पसंख्यक समाज के लिए नीतीश सरकार करती आई है, आगे भी इससे बेहतर काम करेगी।

29 जोड़ों का निकाह सादगी के साथ हुआ

-एहसास सोशल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन की ओर से आयोजित हुआ था सामूहिक विवाह सम्मेलन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एहसास सोशल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन की ओर से 23 नवंबर 2025 बरोज़ इतवार को जयपुर के मोती डूंगरी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया । जिसमें 29 जोड़ों का निकाह बड़ी सादगीपूर्वक पढ़ाया गया । एहसास सोशल डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन के जिम्मेदार हाजी नईम कुरैशी (इंडियाना होटल) ने बताया कि सामूहिक निकाह प्रोग्राम में कोई बैंड बाजा, कोई दिखावा एवं आतिशबाजी भी नहीं की गई । एहसास सोशल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यह सामूहिक विवाह सम्मेलन इसलिए आयोजित करता है, जिससे मुस्लिम समाज में शादियों में दहेज एवं दिखावे की प्रथा को रोका जा सके । हाजी नईम ने बताया कि इस प्रोग्राम में काफी लोगों का सहयोग मिला और आगे भी ऐसे सामूहिक विवाह सम्मेलन किए जाएंगे।

प्रशांत किशोर ने अपनी कमाई की 90 फीसदी राशि जन स्वराज पार्टी को दान की

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में 238 सीटें लड़कर जीरो पर आउट हुई जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता प्रशांत किशोर ने पार्टी को आगे चलाने के लिए दिल्ली का एक घर छोड़कर सारी संपत्ति पार्टी को दान करने का ऐलान कर दिया है। प्रशांत ने इसके साथ ही अगले पांच साल तक सलाह देने के बदले होने वाली कमाई का 90 फीसदी हिस्सा भी जन सुराज को डोनेट करने की घोषणा की है। पार्टी की हार के लिए चंपारण के गांधी आश्रम में 24 घंटे का प्रायश्चित उपवास तोड़ने के बाद पीके ने 15 जनवरी से बिहार में नए सिरे से पार्टी का अभियान शुरू करने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि जन सुराजी एक-एक वार्ड में जाएंगे और सरकार के वादों पर अमल करवाएंगे। प्रशांत ने कहा कि पार्टी महिलाओं का फॉर्म भरवाएगी, ताकि उनको 10 हजार रुपये मिले या बाद में मिलने वाला 2 लाख रुपया भी सरकार दे।

प्रशांत ने कहा कि महिलाओं को 10 हजार देते वक्त कोई शर्त नहीं रखा गया लेकिन 2 लाख देने के नाम पर अफसर शर्त बताएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की जो शर्त जारी की है, उस शर्त के मुताबिक बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं से फॉर्म भरवाकर जमा कराना जन सुराज के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 लाख 18 हजार वार्ड में जाकर फॉर्म भरवाएंगे और जमा करवाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो 2 लाख रुपया मिले या उनको सबक मिले कि भविष्य में गलती से वोट बेचना नहीं है।

जन स्वराज की हार पर प्रशांत किशोर बोले-

प्रशांत किशोर ने पार्टी को आगे चलाने के लिए संसाधन और पैसों की जरूरत पर चर्चा की और कहा कि 20 साल में उन्होंने जो भी कमाया है, दिल्ली का एक घर परिवार के लिए छोड़कर सारी चल-अचल संपत्ति वो जन सुराज पार्टी को दान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 5 साल तक जो भी वो कमाएंगे, उसका कम से कम 90 परसेंट पार्टी को डोनेट करेंगे। उन्होंने जन सुराज को साल में कम से कम 1000 रुपये दान करने की अपील आम लोगों से की है। उन्होंने यह भी कहा कि अब वो सिर्फ उनसे मिलेंगे, जो जन सुराज को कम से कम 1000 रुपये का दान देंगे। उन्होंने कहा कि अब संघर्ष का समय शुरू हो रहा है।

प्रशांत किशोर ने कमाई का 241 करोड़, जन सुराज पार्टी पर खर्च क्र दिया-

चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी की फंडिंग के सवाल पर प्रशांत किशोर ने बताया था कि उन्होंने 3 साल की कमाई 241 करोड़ का ज्यादातर हिस्सा जन सुराज के काम में खर्च कर दिया या सीधे ही पार्टी को दान कर दिया।

बेरोजगारी भत्ता योजना के लाभार्थियों का औचक निरीक्षण

- अनुपस्थित पाए जाने पर भत्ता रोकने की कार्यवाही प्रारम्भ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग द्वारा बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री युवा संबल योजना' संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पुरुष आशार्थियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये तथा महिला आशार्थियों को प्रतिमाह 4 हजार 500 रुपये बेरोजगारी भत्ते के रूप में प्रदान किए जाते हैं। योजना की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रत्येक लाभार्थी को प्रतिदिन 4 घंटे की इंटर्नशिप विभिन्न राजकीय कार्यालयों में करना अनिवार्य है। योजना की प्रगति एवं इंटर्न उपस्थिति की वास्तविक स्थिति जानने हेतु उपनिदेशक नवरेखा के नेतृत्व में चौमू तहसील के रामपुरा डाबड़ी, उदयपुरिया, इटावा भोपजी आदि क्षेत्रों के राजकीय कार्यालयों, पटवार भवन, पंचायत समिति, आयुर्वेद औषधालय, पशु चिकित्सालय आदि में इंटर्नशिप कर रहे लाभार्थियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में यह पाया गया कि कई इंटर्न जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ सौंपे गए कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, वहीं अनेक इंटर्न कार्यस्थल से अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए लाभार्थियों के विरुद्ध भत्ता रोकने संबंधी कार्यवाही कार्यालय स्तर पर प्रारम्भ कर दी गई है।

उपनिदेशक नवरेखा ने बताया कि इंटर्नशिप की नियमित उपस्थिति प्रमाण-पत्रों की जांच के दौरान गलत तरीके से उपस्थिति दर्ज करवा कर भत्ता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों से 2 लाख 58 हजार 520 रुपये की वसूली कर राजकोष में जमा कराए गए हैं। वर्तमान में मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के इंटर्न लाभार्थी, जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना करते हुए राज्य सरकार के अभियान विशेष गहन पुनरिक्षण कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इन युवा लाभार्थियों द्वारा किए जा रहे योगदान को जिम्मेदार नागरिक व युवा शक्ति के सकारात्मक उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

लक्ष्य सेन ने जीता ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब

-इनाम में मिली करोड़ों की रकम; ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय

नई दिल्ली । भारत के लक्ष्य सेन ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर मुश्किल दौर का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 जीतने पर लक्ष्य सेन को 475,000 डॉलर के ईनाम से नवाजा गया है जो भारतीय रुपए के हिसाब से तकरीबन 4.25 करोड़ रुपए है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद खराब दौर से गुजरने वाले अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सुपर 300 खिताब जीता था। वह इस साल सितंबर में हांगकांग सुपर 500 में उपविजेता रहे थे। इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदाम्बी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम ने अवैध गैस रिफिलिंग नेटवर्क का किया भंडाफोड़

- 480 सिलेंडर, 6 पिकअप, रिफिलिंग मशीनें की जब्त, 9 आरोपी गिरफ्तार

- जिला रसद कार्यालय की तीन टीमों ने अलग अलग स्थानों पर कार्रवाई को दिया अंजाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम ने जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत बुधवार 19 नवंबर को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि तीन विशेष सतर्कता दलों ने जयपुर के अलग अलग स्थानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। तीनों कार्रवाई में टीमों ने 480 सिलेंडर, 6 पिकअप, रिफिलिंग मशीनें की जब्त की वहीं, 9 आरोपी गिरफ्तार किए हैं। उन्होंने बताया कि दल 'ए' में कीर्ति शर्मा एवं सरिता, दल 'बी' में योगेश मिश्रा एवं सुनीता चौधरी तथा दल 'सी' में सुश्री कविता शर्मा, पूजा शर्मा, प्रिया गंगवानी एवं सरोज मीना को सम्मिलित करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। चारण के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान सर्वप्रथम प्रातः 04:30 बजे दल 'ए' द्वारा प्रताप नगर सेक्टर 16-17 नाले की पुलिया पर अवैध गैस रिफिलिंग की गतिविधि पाए जाने पर दबिश दी गई, जहां कुल 107 गैस सिलेंडर, 1 पिकअप, 4 रिफिलिंग मशीन, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 रजिस्टर तथा 1 पेटीएम मशीन जब्त की गई एवं एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद दल 'बी' द्वारा कृष्णा विहार, श्रीराम की नांगल, सांगानेर में कार्रवाई करते हुए 77 गैस सिलेंडर, 1 पिकअप वाहन, 1 मोबाइल एवं सीसीटीवी डीवीआर जब्त किया गया। इसी क्रम में दल 'सी' द्वारा जयपुर शहर के अति संवेदनशील क्षेत्र गंगानिवारा मैरिज गार्डन, एयरपोर्ट की दीवार के पास, प्रताप नगर में दबिश दी गई, जहां से कुल 296 गैस सिलेंडर (घरेलू एवं वाणिज्यिक दोनों), 4 पिकअप वाहन, 1 रिफिलिंग मशीन, 3 इलेक्ट्रॉनिक कांटे तथा सीसीटीवी डीवीआर सेट जब्त किए गए तथा 8 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान लक्ष्य इंडेन रामपुरिया जगतपुरा की गाड़ियों का मौके पर पाया जाना एजेंसी की संभावित संलिप्तता को दर्शाता है, जिसके संबंध में विस्तृत जांच कार्यालय स्तर पर जारी है। तीनों कार्रवाइयों में कुल 480 गैस सिलेंडर, 6 पिकअप वाहन, 5 रिफिलिंग मशीनें, 4 इलेक्ट्रॉनिक कांटे जब्त किए गए तथा कुल 9 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तीन अवैध गैस रिफिलिंग माफियाओं के विरुद्ध द्रवित पेट्रोलियम गैस (रेग्यूलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) ऑर्डर, 2000 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत नामजद एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम ने बताया कि ऐसे अवैध रिफिलिंग केंद्र बिना सुरक्षा मानकों के संचालित होते हैं, जिससे आवासीय क्षेत्रों में बड़े हादसों की आशंका बनी रहती है। भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों के खुले भंडारण से कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है, इसलिए इन गतिविधियों को रोकने हेतु सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

जौहरी बाज़ार में 38 किलो चांदी लूट का बड़ा खुलासा, माणक चौक पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

-गजानंद ज्वैलर्स लूट मामले में पुलिस ने 2 आरोपी दबोचे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माणकचौक थाना पुलिस ने जौहरी बाजार स्थित 'गजानंद ज्वैलर्स' में 19 नवंबर को हुई लूट की वारदात का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद दो आरोपियों— अकरम और हितेश प्रजापत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 38 किलो चांदी और 170 ग्राम सोना बरामद किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी पहले इसी कॉम्प्लेक्स में काम करते थे, इसलिए उन्हें रास्तों की जानकारी थी। इन्होंने गार्ड्स को बंधक बनाकर लूट को अंजाम दिया था। वारदात में शामिल इनके दो अन्य साथी अभी फरार हैं।

मस्जिद गिराने की मांग को लेकर शिमला के संजौली में अनशन पर बैठे हिंदू संगठन, प्रशासन को दी चेतावनी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के संजौली क्षेत्र में अवैध घोषित मस्जिद को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मस्जिद के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हिंदू संगठनों ने शुक्रवार को एक बार फिर प्रशासन को चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं होते, तब तक आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा। बता दें कि संजौली थाने के बाहर हिंदू संघर्ष समिति और अन्य संगठनों के कार्यकर्ता पिछले चार दिनों से धरने पर बैठे हैं। हिंदू संगठनों की मुख्य मांग है कि 14 नवंबर को मस्जिद में जुमे की नमाज रोकने की घटना के बाद समिति के सदस्यों पर दर्ज की गई एफआईआर को वापस लिया जाए। इसके अलावा अवैध घोषित मस्जिद का बिजली-पानी कनेक्शन काटकर उसे सील करने की कार्रवाई भी तुरंत शुरू की जाए। गुरुवार देर रात प्रशासनिक अधिकारियों और हिंदू नेताओं के बीच हुई बातचीत में मौखिक सहमति बनी बताई जाती है, लेकिन हिंदू नेता लिखित आदेश पर ही आंदोलन समाप्त करने की बात कह रहे हैं।

क्यों बढ़ा विवाद-

दरअसल पिछले शुक्रवार को स्थानीय महिलाओं के साथ मिलकर देवभूमि संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को संजौली मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जाने से रोका था। समिति का कहना था कि यहां हुआ निर्माण कोर्ट की ओर से अवैध करार दिया जा चुका है। ऐसे में विवादित और अवैध निर्माण में नमाज नहीं की जानी चाहिए। इसके बाद स्थानीय महिलाओं के साथ देवभूमि संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं पर FIR दर्ज की गई। अब सरकार और प्रशासन के रवैये के खिलाफ देवभूमि संघर्ष समिति के सदस्य आमरण अनशन पर बैठे हैं।

क्या है हिंदू संगठनों की मांग-

हिंदू संगठन और स्थानीय लोगों की मांग है, जब कोर्ट ने संजौली मस्जिद को अवैध घोषित कर दिया है तो नियमों के मुताबिक बिजली-पानी कनेक्शन काटा जाए। दूसरा विवादित स्थल पर अवैध गतिविधि रोकी जाए। तीसरा बीते शुक्रवार को नमाजियों को मस्जिद में जाने से रोकने पर जिन 4 महिलाओं सहित 6 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है, उसे वापस लिया जाए।

पुलिस थाना खोह नागोरियान की अवैध जुओं के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

-कुल 28 जुआरियों को ताश-पत्ती के साथ जुआ खेलते किया गया गिरफ्तार

-गिरफ्तार जुआरियों के कब्जे से कुल 8,61,000 रूपये जुआ राशि की गयी बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। थानाधिकारी थाना खोह नागोरियान ओमप्रकाश मालवा (पु०नि) के नेतृत्व में गठित टीम मुकेश कुमार उनि, शिवचरण हैड कानि 693, कमलेश कानि 3782, सुमनेश कानि 9385, आसिफ कानि. 9933, रामातवार कानि 12298 द्वारा 17 नवंबर की रात्रि मे घर में ताश पत्ति से अवैध जुओं की सूचना प्राप्त होने पर जुओं के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये कुल 28 व्यक्तियो को ताश-पत्ती के साथ बीपीएल गोदाम के सामने गोनेर रोड पर स्थित दुकान की द्वितिय मंजिल पर जुओं खेलते हुए गिरफतार किया जाकर जुऑरियो के कब्जे से कुल 8,61,000 रूपये जुओं राशि व जुआ आर्टिकल ताश-पत्ती को बरामद करने में सफलता अर्जित की है। अवैध जुओं के संबंध में की गयी कार्यवाही के संबंध में पुलिस थाना खोह नागोरियान पर अभियोग संख्या 661/2025 अपराध चारा 3/4, 13 आरपीजीओ व 112(2), 318(3) बी.एन.एस. मे दर्ज किया गया है। दर्ज अभियोग में गिरफतार कुल 28 जुऑरियो से प्रकरण में अनुसंधान किया जा रहा है।

गिरफ्तार मुल्जिमान संतोष कुमार सोनी पुत्र हनुमान दास उम्र 50 साल जाति सोनी, सताब खान पुत्र बत्तू खाँ जाति मुसलमान उम्र 72 साल, अंकुर पटेल पुत्र मफथ भाई जाति गुजराती उम्र 45, उमरदराज पुत्र मुनेर खाँ जाति मुसलमान उम्र 35 साल,मोहम्मद आसद पुत्र मरहूम इशाक जाति मुसलमान उम्र 26 साल ।

डीएसटी टीम ने फरार 25 हज़ार रूपये के इनामी अपराधी अनुज बिजारणिया को पकड़ने में पाई सफलता

-अनुज बिजारणिया उर्फ अनोज नेशनल सीड्स कॉपरेशन लिमिटेड की ऑनलाईन परीक्षा में फर्जीवाडा करने में के प्रकरण में था वांछित अपराधी।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद आईपीएस ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध शाखा जयपुर, राजस्थान द्वारा चलाये जा रहे सक्रिय बदमाशान के विरूद्ध कार्यवाही एंव वाछित अपराधियो की धरपकड हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके अन्त्रतगत आलोक सिघंल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के नेतृत्व में गणेश सैनी पुनि. डीएसटी प्रभारी मय डीएसटी टीम एंव कार्यालय हाजा की तकनिकी टीम का गठन किया जाकर वांछित अपराधियो एवं सक्रिय अपराधियो के खिलाफ त्वरित कार्यवाही हेतु उचित दिशा निर्देश दिये गये थे। जिसके अन्त्रतगत जिला पश्चिम के डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी पुनि व वैशाली नगर थानाधिकारी राजेश सिंह द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये 25000/- के 01 ईनामी अपराधियो को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी।

टीम द्वारा डीएसटी टीम जयपुर पश्चिम से वांछित अपराधियो की धरपकड हेतु प्राप्त इनपुटो पर कार्यवाही करते हुये वांछित अपराधियो के संबंध मे थाना रिकार्ड, मुखबीर तंत्र से प्राप्त सुचना व तकनीकी सहायता और प्राप्त इनपुट के आधार पर डीएसटी टीम पश्चिम द्वारा मुकदमा नम्बर 18/2025 धारा 318 (4), 61(2) (ए) बीएनएस 2023 व 43, 66 आईटी एक्ट 2008 और 10 (1) राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पुलिस थाना वैशालीनगर में वांछित 25000रु के फरार ईनामी आरोपी आरोपी अनुज बिजारणिया उर्फ अनोज बिजारणिया पुत्र राजेंद्र प्रसाद बिजारणिया, जाति जाट, उम्र 28 साल, गांव हीरानगर, नीमकाथाना जिला सीकर को पकडने में सफलता प्राप्त की गयी।

नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया से मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनों ने की मुलाकात

-पीसीसी सदस्य डॉ. जफर मोहम्मद, वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी व केकेसी उपाध्यक्ष रिजवान खान के नेतृत्व में हुई मुलाकात

बारां (रॉयल पत्रिका) । हाल ही में संपन्न हुए अंता विधानसभा उप चुनाव में प्रमोद जैन भाया को ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर बधाईयों का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को अलग - अलग क्षेत्रों से आए मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनो ने प्रमोद भाया के आवास पर उनसे मुलाकात करके शुभकामनाएं दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व प्रगति एजुकेशनल ग्रुप कोटा के चेयरमैन डॉ. जफर मोहम्मद, वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में कोटा से तशरीफ़ लाए कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रमोद भाया को 51 किलो का फूल हार पहनाकर, मुंह मीठा करवाकर साफा पहनाकर इस्तकबाल किया। तो वहीं दूसरी ओर अंता, बालाखेड़ा ओर बालदढ़ा से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा केकेसी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान खान और सरपंच मोहम्मद शरीफ के नेतृत्व में पगड़ी और माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। इस दौरान प्रमोद जैन भाया पीसीसी सदस्य डॉ. जफर मोहम्मद, केकेसी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान खान, मोहम्मद शरीफ सहित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आत्मीयता से मिले और भाया ने चुनाव के दौरान सहयोग करने पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। स्वागत के दौरान कोटा से समीर मोहम्मद, पार्षद युनुस मोहम्मद, पार्षद बशीर भाई, नजीब मिर्जा, अब्दुल कलीम मंटू, मुन्ना भाई, सिराज भाई, शाहरुख खान, युनुस मोहम्मद, वसीम शेख आदि मौजूद रहे। वहीं अंता विधानसभा से हाजी शब्बीर पठान, फिरोज अंसारी, अशफाक खान बालाखेड़ा, चमन पठान, मोहम्मद रईस, रोशन अली, अशरफ भाई, मुन्ना पठान सहित कई लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर प्रथम आगमन पर अमीन पठान का किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमीन पठान को हाल ही में प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के पश्चात शुक्रवार को प्रथम बार बारां आगमन पर अमीन पठान का जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में जोरदार इस्तकबाल किया गया। अमीन पठान पूर्व अंजुमन सदर अब्दुल शकूर चिश्ती व अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व ज़िला महासचिव अब्दुल कलम स्टोन की बेटी के जन्मदिन पर उनके आवास पर पहुंचे, उन्होंने बच्ची ओर परिवार को मुबारकबाद पेश की। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के शाहिद कुंडी, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, मदरसा बोर्ड बारां के चेयरमैन अली हुसैन टीपू, युवा नेता शारिक खान, अनस चिश्ती, रेहान चिश्ती, शहजाद हुसैन, फरदीन खान, फरहान, शोएब, इमरान, शाकिर, मुक्तलिब अंसारी आदि मौजूद रहे।

वक्फ सम्पत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड शीघ्र से शीघ्र करवाया जाए

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। उम्मीद सेन्ट्रल पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियां वक्फ बोर्ड झालावाड़ प्रभारी हफिज खान, जिला वक्फ चेयरमेन रमजान खान, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी बलवीर सिंह गुर्जर, की उपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारी अब्दुल शाहिद कम्प्यूटर अनुदेशक सगीर, नदीम, इमरान खान, तौकिर चौधरी, माजिद ने डाटा अपलोड किया। इस अवसर पर वक्फ बोर्ड प्रभारी, जिला वक्फ चेयरमेन व जिला अल्पसख्यंक अधिकारी ने कहा कि एकीकृत वक्फ प्रबन्धन, सशक्तिकरण दक्षता और विकास (यूएमईईडी) एक्ट 1995 की धारा-3 बी (1) के प्रावधानान्तर्गत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 06 नवंबर 2025 को एक उम्मीद सेन्ट्रल पोर्टल 2025 लान्च किया था। लान्च करने की दिनांक से 30 नवंबर 2025 तक वक्फ बोर्ड में पंजिकृत वक्फ सम्पत्तियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। पोर्टल पर डाटा अपलोड वक्फ कर्मियों द्वारा एवं सम्बन्धित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इसमें सभी मुतवल्ली/सदर, सचिव तथा अन्य से गुजारिश की गई है कि शेष रही सभी वक्फ सम्पत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड़ शीघ्र से शीघ्र करवाया जाये।

उम्मीद पोर्टल पर जिम्मेदारी व सजगता से साथ वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कर रहे जिला वक्फ चेयरमैन इरफान अंसारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार बारां जिले की तमाम वक्फ जायदादों को "उम्मीद सेंट्रल पोर्टल" Umeed central portal पर रजिस्टर करने के लिए जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्य अधिक होने ओर पोर्टल धीरे चलने की वजह से अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा 3 कंप्यूटर अनुदेशक इस कार्य के लिए चेयरमैन इरफान अंसारी के आग्रह पर दिए गए हैं। कार्यशाला में जिला अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से कंप्यूटर पैराटीचर्स मंसूर अली, नाजिश अली और साबिर हुसैन अंसारी द्वारा जिले की तमाम जायदादों को पोर्टल पर अपलोड करने का कार्य किया जा रहा है। चेयरमैन अंसारी के सहयोगी मोहम्मद अशरफ द्वारा कार्यशाला व अपलोडिंग का तमाम कार्य व मैनेजमेंट कबीले तारीफ हे। प्रेस प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि वक्फ तरमीमी कानून 2025 के तहत पूरे मुल्क में वक्फ जायदादों को केंद्र सरकार के एक यूनीफाइड पोर्टल पर अपलोड किया जाना है जिसकी डेडलाइन 5 दिसम्बर 2025 रखी गई है। राजस्थान वक्फ बोर्ड के आदेशानुसार बारां जिले में भी 5 दिसम्बर से पहले तमाम जायदादों को ऑनलाइन किया जा रहा है।

गोरधनपुरा माताजी रोड-सुकेत रोड, नई सड़क निर्माण कार्य तेजी से शुरू

-पालिकाध्यक्ष मेड़तवाल ने किया निरीक्षण

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। गोरधनपुरा माताजी रोड से सुकेत रोड तक नई सड़क निर्माण कार्य तेज़ी से जारी नगरपालिका अध्यक्ष अखलेश मेड़तवाल ने पदाधिकारियों संग किया निरीक्षण। गोरधनपुरा माताजी रोड से सुकेत रोड को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण का कार्य वार्ड नंबर 30 में तेज़ी से किया जा रहा है। वर्षों से लंबित इस मांग को पूरा होते देख स्थानीय निवासियों में उत्साह देखा जा रहा है। लोगों ने सड़क निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष जताते हुए उम्मीद व्यक्त की निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण सड़क उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार को पालिकाध्यक्ष अखलेश मेड़तवाल ने जिला महामंत्री नरेन्द्र राजा और मंडल महामंत्री उमेश माहेश्वरी के साथ निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगरपालिका का कनिष्ठ अभियंता मौके पर उपस्थित नहीं मिला, जिस पर मेड़तवाल ने पालिका अधिकारियों के प्रति नाराज़गी व्यक्त की और निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरपालिका अधिकारियों और ठेकेदार को सख्ती से निर्देश देते हुए गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण कराने के लिए पाबंद किया। मेड़तवाल ने कहा कि लंबे समय से कॉलोनीवासियों द्वारा इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। सड़क तैयार होने के बाद गोरधनपुरा माताजी रोड से सुकेत रोड की ओर आने-जाने वाले राहगीरों को एक अतिरिक्त मार्ग सुविधा उपलब्ध होगी। इससे न केवल पुराने मार्ग पर दबाव कम होगा, बल्कि बाधित यातायात में भी सुधार आएगा और लोगों की यात्रा अधिक सुगम तथा सुरक्षित रहेगी।

भारत माता कॉलेज में अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता संपन्न

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। भारत माता कॉलेज में आयोजित अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह प्रतियोगिता कोटा विश्वविद्यालय, कोटा के तत्वाधान में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी. पी. सारस्वत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विजय सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में शिक्षाविद रमेश नागर, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष फारूक राणा, पूर्व प्रधान मनोज चौधरी, किशनगंज थाना प्रभारी रमेश चंद मेरोठा, भवरगढ़ थाना प्रभारी गोपीलाल आर्य, विद्या भारती के जिला अध्यक्ष प्रमोद राठौर, पेंशरनर समाज के किशनगंज तहसील अध्यक्ष जगदीश नागर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री सी. एल. सुमन, विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक डॉ. तीरथ सिंह सांगा, प्राचार्य डॉ. मूलचंद शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर परिणाम घोषित किए गए, जिनमें वॉलीबॉल विजेता केशव महाविद्यालय, अटरू, बास्केटबॉल विजेता आदर्श कॉलेज, सुरोठ (करौली) खो-खो विजेता विवेकानंद कॉलेज, गोठड़ा (बूंदी) हैंडबॉल विजेता कुन्द कुन्द कॉलेज, रानपुर (कोटा) रहे।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. बी. पी. सारस्वत ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और खेलों से नेतृत्व क्षमता व टीम भावना विकसित होती है। इसके बाद कॉलेज के चेयरमैन डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने कहा कि भारत माता कॉलेज हमेशा ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उनके लिए बेहतर खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु कर्तव्यनिष्ठ है। वहीं डॉ. अरमान मलिक ने खिलाड़ियों को अनुशासन, नियमित अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने का प्रेरणादायक संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में हेमराज नायक, रिया सक्सेना, श्याम मेहता, निधि गौतम, राकेश शिवहरे और आजाद मंसूरी का विशेष योगदान रहा। अंत में विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रतियोगिता का समापन किया गया।

राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान ने प्रमोद जैन भाया से मुलाकात कर दी जीत की बधाई

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ राजस्थान के अध्यक्ष अमीन पठान शुक्रवार को बारां पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अंता विधानसभा उप चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर विधायक प्रमोद जैन भाया से मुलाकात की और उनका इस्तकबाल कर जीत की बधाई दी, साथ ही उज्जवल भविष्य की दुआ की। वहीं प्रमोद जैन भाया ने अंता विधानसभा उप चुनाव में अमीन पठान द्वारा बेहतर मैनेजमेंट और अल्पसंख्यक वोटो में सेंध नहीं लगने देने पर अमीन पठान का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला वक्फ कमेटी के पूर्व चेयरमैन जाकिर मंसूरी, अली हुसैन टीपू, अब्दुल कलाम स्टोन, शारिक खान, हुसैन भाई कोटा, मारूफ लाला सहित कई लोग मौजूद रहे।

सुकेत के वार्ड नंबर 24 में साफ-सफाई में ढिलाई आम रास्तों पर इंटरलॉकिंग और डस्टबिन कहीं नहीं

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के वार्ड नंबर 24 में कुछ हिस्सा नगर पालिका बनने के बाद अब वार्ड नंबर 21 में बदल गया है। जो अब नगर पालिका प्रशासन की घोर अनदेखी का शिकार हो रहा है। करीब 800 से 1000 मतदाताओं वाले इस वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। जिससे वार्डवासियों में भारी आक्रोश है। इस वार्ड में साफ-सफाई में ढिलाई बरती जाती रही है, जिस पर कोई सुधार नजर नहीं आता। आमरास्तों पर इंटरलॉकिंग और डस्टबिन कहीं नहीं होने से भी परेशानी बढ़ रही है। वार्डवासी बंटी राठौर, संजय राठौर, मनीष गुप्ता, महेश गुप्ता, बसंतीलाल टेलर ने बताया कि यह वार्ड मुख्य बाजार क्षेत्र में आता है। यहां 25 से अधिक दुकानें हैं और प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण यहां खरीदारी के लिए आते हैं। मुख्य मार्ग होने के कारण लोगों की आवाजाही भी खूब रहती है, लेकिन नगर पालिका की सफाई व्यवस्था नाम मात्र की है। क्षेत्रवासी तो कहते हैं कि साफ-सफाई कार्य बंद सा है। वार्डवासियों ने बताया कि सफाई कर्मचारी 3 से 4 दिन में किसी भी समय आते हैं, उनका कोई निर्धारित समय नहीं है। पालिका की ओर से इस वार्ड में कोई कचरापात्र (डस्टबिन) भी नहीं रखा गया है। कचरा उठाने वाली गाड़ियां भी नियमित रूप से नहीं आती हैं, जिसके कारण वार्ड में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे रहते हैं और नालियां कचरे से अटी पड़ी हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी वार्ड में कभी भी झाड़ नहीं लगाते, बल्कि सिर्फ नालियों की ही सफाई करते हैं। ऐसे में वार्डवासी स्वयं ही अपनी दुकान और मकान के आसपास की प्रतिदिन साफ-सफाई करते हैं। सुकेत वार्ड नं 24 में क्षतिग्रस्त सीसी रोड और क्षेत्र में सफाई की कमी दिखाती तस्वीर। वार्ड के लोगों ने कहा- हमारे यहां क्षतिग्रस्त सड़कें हैं, मिलता है सिर्फ आश्वासन वार्डवासियों ने बताया कि पेयजल योजना के तहत जब वार्ड में पाइप लाइन डाली गई थी, तब से पूरे वार्ड का सीसी रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। कई बार नगर पालिका को सीसी रोड या इंटरलॉकिंग सड़क के बारे में अवगत कराया गया है, लेकिन हर बार पालिका की ओर से मात्र आश्वासन ही दिया जाता है। वार्डवासियों ने नगर पालिका से सफाई व्यवस्था को नियमित करने, वार्ड में कचरा पात्र रखने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत या इंटरलॉकिंग का कार्य शुरू करने की मांग की। जिससे कि लोगों को राहत मिल सके।

हजार रुपए बजरी माफिया बेलगाम:

चंबल-कालीसिंध में खुलेआम चल रहा अवैध खनन... जल, जीव और राजस्व पर संकट

डॉ. तोहिद

सुल्तानपुर (रॉयल पत्रिका) । क्षेत्र में चंबल और कालीसिंध नदी से अवैध बजरी खनन ने प्रशासन और विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चंबल और कालीसिंध नदी का सीना चीरकर खुलेआम माफिया बजरी निकाल रहे हैं, जिससे जहां राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान तो हो ही रहा है, नदी तंत्र, जलीय जीव-विविधता और घड़ियाल संरक्षण क्षेत्र पर भी गहरा खतरा मंडरा रहा है। दीगोद थाना क्षेत्र के छीपड़दा व निमोदा में बहती चंबल नदी चंबल घड़ियाल अभयारण्य के अधीन आती है। यहां हजारों की संख्या में जलीय जीव एवं घड़ियाल रहते हैं। इनके संरक्षण की जिम्मेदारी अधिकारियों पर है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। निगरानी के कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है। इसके बावजूद धड़ल्ले से अवैध खनन हो रहा है। माफिया नदी से रेत निकालकर ट्रैक्टर ट्रॉली में भरकर गांवों में बेच रहे हैं। खुलेआम हो रहे अवैध खनन के बावजूद वन विभाग, चंबल घड़ियाल विभाग के अधिकारी और पुलिस ने आंखें मूंद रखी हैं। भास्कर टीम ने करीब 6 स्थानों पर चंबल नदी व कालीसिंध नदी के आसपास का क्षेत्र देखा तो कई मजदूर नाव में चंबल अभयारण्य क्षेत्र की परिधि में नदी से बजरी निकाल रहे थे। चंबल नदी में घघटाना, कोटसुआ, बालापुरा, निमोदा, छीपड़दा प्रमुख स्थान हैं। यहां खनन माफिया नाव से नदी में जाते हैं और बजरी निकालते हैं। नाव में भरी बजरी को किनारे पर लाकर ट्रॉली में भर दिया जाता है। इसके लिए ₹1500 प्रति ट्रॉली लेते हैं। यह बजरी बाजार में 4000 से 4500 तक में बिक रही कालीसिंध नदी वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है। इसके बावजूद यहां भी दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से अवैध बजरी निकल जा रही है । सुल्तानपुर, दीगोद, बूढादीत और सिमलिया थाना क्षेत्र में लगातार तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बजरी लेकर दौड़ती देखी जा सकती हैं। गांव-गांव में लगे काली बजरी के ढेर अवैध खनन की सांगोद्र ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर हकीकत खुद बयान कर रहे हैं। फिर भी अधिकारियों के बयान हमेशा ही एक जैसे होते हैं कि 'हमारे क्षेत्र में अवैध बजरी खनन नहीं होता, अगर हो रहा है तो दिखवाकर कार्रवाई करेंगे।' स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों नदी क्षेत्रों से प्रतिदिन कम-से-कम 100 ट्रॉली बजरी निकाली जा रही है। पुलिस कार्रवाई होती भी है तो केवल दिखावटी, ताकि रिपोर्टों में आंकड़े दर्ज हो सकें। सबसे गंभीर पहलू यह है कि अवैध बजरी का उपयोग अब सरकारी निर्माण कार्यों में भी खुलेआम हो रहा है, सुल्तानपुर, दीगोद, बूढादीत और सिमलिया थाना क्षेत्र में लगातार तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बजरी लेकर दौड़ती देखी जा सकती हैं। कालीसिंध नदी भी नहीं है सुरक्षित: वन विभाग की भूमिका पर उठ रहे सवाल निकासी का खेल जारी है। क्षेत्रवासियों के अनुसार विभागीय अधिकारी मासिक वसूली के मोड में नजर आ रहे हैं, जबकि कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं। क्षेत्र की नदियों से अगर अवैध बजरी खनन हो रहा है तो इस पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जल्द ही संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर एक योजना बनाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में झालावाड़ नगर परिषद उड़नदस्ता टीम के साथ मारपीट करने वाले 2 आदतन बदमाश गिरफ्तार

-दोनों बदमाशों के विरुद्ध हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्यवाही

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आई.पी.एस. ने बताया कि 20 नवंबर 2025 को अतिक्रमण हटाये जाने के विरोध में नगर परिषद अतिक्रमण दस्ता के साथ मारपीट करने वाले 2 बदमाश 1. राकेश उर्फ कांची, 2. हरिमोहन उर्फ बाला को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। उक्त बदमाशो के विरूद्ध राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर मारपीट करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उक्त दोनो बदमाशो के विरूद्ध पूर्व में भी कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज है, उक्त दोनो बदमाशो की हिस्ट्रीशीट खोली जा रही है। घटना का विवरण, 20 नवंबर 25 को सहायक अभियंता नगर परिषद झालावाड़ ने थाना कोतवाली पर एक रिपोर्ट दी कि मे 20 नवंबर 2025 को समय 12 बजे उडन दस्ता प्रभारी तथा सहायक प्रभारी तथा कनिष्ठ सहायक एवं समस्त टीम एवं होमगार्ड हमारे साथ-साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत राजकीय कार्य सम्पादित कर रहे थे। जिन्दल मेडीकल के पास अतिक्रमण हटा रहे थे तभी राकेश, हरिमोहन, ओमप्रकाश द्वारा अचानक आते ही गाली गलौच कर हमारे साथ के होमगार्ड के साथ मारपीट कर भाग गये। इत्यादि पर उक्त बदमाशो के विरूद्ध राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर मारपीट करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस कार्यवाही-

लिस अधीक्षक ने बताया कि उक्त प्रकार की संगीन वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशो की त्वरित गिरफ्तारी व उक्त प्रकार की वारदातो पर अंकुश लगाने हेतु अति० पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड़ हर्षराज सिंह के सुपरविजन में मुकेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी थाना कोतवाली झालावाड़ के नेतृत्व में पुलिस टीमो का गठन किया गया। पुलिस टीमों द्वारा आसूचना तंत्र विकसित कर घटना को अंजाम देने वाले बदमाशो के ठिकाने का पता लगाया जाकर बदमाशो की धरपकड हेतु त्वरित एक्शन प्लान तैयार कर वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाश 1. राकेश उर्फ कांची 2. हरिमोहन उर्फ बाला को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। अभियुक्त राकेश उर्फ कांची के विरूद्ध पूर्व में भी हत्या का प्रयास, मारपीट, छेड़छाड़, आर्म्स एक्ट एवं अभियुक्त हरिमोहन उर्फ बाला के विरूद्ध चोरी, चौथ वसूली, राजकार्य में बाधा, मारपीट, जुआ सट्टा के प्रकरण दर्ज है, उक्त दोनो बदमाशो की हिस्ट्रीशीट खोली जा रही है। नाम पता मुलजिम, एक राकेश उर्फ कंची पुत्र गोपाललाल जाति माली उम्र 29 साल निवासी खासाराडी झालावाड़, 02. हरिमोहन उर्फ बाला पुत्र भैरूलाल जाति माली उम्र 34 साल निवासी खासाराडी झालावाड़।

कोतवाली पुलिस टीम-

मुकेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली 2.कमलेश कुमार उ.नि.राधेश्याम एएसआई, राजेश स्वामी कानि, जगदीश कानि, शैतान मांजू कानि., धर्मेन्द्र कानि० एवं पुलिस की कार्रवाई जारी।

फर्स्ट ग्रेड स्कूल लेक्चरर बनने पर मकसूद क़ाज़ी का भव्य सम्मान

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। कॉम-ए-क़ाज़ीयान द्वारा बंगाली बाबा तकिया परिसर सुजानगढ़ में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें फर्स्ट ग्रेड स्कूल लेक्चरर बने मकसूद क़ाज़ी बल्द मास्टर दाउद क़ाज़ी का समाजजन द्वारा गर्मजोशी से सम्मान किया गया। समारोह में मकसूद क़ाज़ी को साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। समाज के लोगों ने उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि को सामूहिक गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर शहर क़ाज़ी मोहम्मद अकरम रिज़वी ने अपने संबोधन में कहा—इल्म से बड़ा कोई ज़ेवर नहीं और मेहनत से बड़ी कोई इबादत नहीं। मकसूद क़ाज़ी ने साबित किया है कि लगन, सब्र और निरंतर प्रयास से हर मुक़ाम पाया जा सकता है। मैं सुजानगढ़ के सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि वे शिक्षा को अपना हथियार बनाएं। इल्म इंसान को रौशन करता है, सशक्त बनाता है और समाज को नई दिशा देता है। युवाओं को चाहिए कि वे मोबाइल और सोशल मीडिया से ज़्यादा समय किताबों और ज्ञान में लगाएं, क्योंकि आने वाला दौर सिर्फ़ 'काबिलियत' को सलाम करेगा। कार्यक्रम में मस्जिद कुतुबुल मदार के इमाम फज़्ले हक, कॉम-ए-क़ाज़ीयान के सदर मुमताज़ क़ाज़ी, मास्टर दाऊद क़ाज़ी, अकरम मास्टर, समीर खान खोखर, कोषाध्यक्ष इल्मुद्दीन अगवान, इंजीनियर इरफान क़ाज़ी, जीत मोहम्मद क़ाज़ी, मुहम्मद शकील क़ाज़ी, सलम अगवान, हाकम अली, अब्दुल मनान गौरी, मास्टर इदरीश भाटी, मुख्तियार क़ाज़ी, रामनिवास गुर्जर, पार्षद इकबाल खान (बबलू), असगर मास्टर, अब्दुल अज़ीज़ अगवान, फरहान क़ाज़ी, खालिद रजा, रईस मास्टर, आबीद अगवान, हसनैन क़ाज़ी, सोयल अगवान, असलम मास्टर, रब्बानी भाटी, नदीम अगवान, अरबाज़ चौहान, हसन क़ाज़ी, मोहम्मद क़ाज़ी, तोहिद अगवान, राशिद क़ाज़ी, यूनुस अगवान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पेस स्पेस बॉक्स क्रिकेट खेल मैदान का उद्घाटन डॉ. एम एम पुकार ने किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रतनगढ़ रोड नर्मदा फार्म हाउस के पास रविवार को डॉ. एम एम पुकार के द्वारा फीता काटकर एवं क्रिकेट बॉल खेल कर पेस स्पेस बॉक्स क्रिकेट का उद्घाटन किया गया। आपने कहा यह शहर व आस-पास के क्षेत्र के लिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए शानदार सौगात हाईटेक नाइट विजन उपकरण से सुसज्जीत है। ओर पेस स्पेस बॉक्स क्रिकेट एक तेज और रोमांचक खेल है जो छोटे मैदानों में खेला जाता है यह पारंपरिक क्रिकेट का एक छोटा और तेज संस्करण है जिसमें 6 से 8 खिलाड़ियों की टीमें होती है खेल का उद्देश्य रन बनाना और विरोधी टीम को आउट करना होता है। उद्घाटन से पहले मुख्य अतिथि चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एम एम पुकार एवं डॉ. अहसान गोरी का फूल मालाओं से स्वागत किया जीसमे इमरान खान, आसिफ खान, अजीज खान, तनवीर खान, शौकत खान एडवोकेट, मनवर खान रिटायर्ड थानेदार, समीर खान, जब्बार खान, आबिद खान आदि उद्घाटन मैच मेडिकल कॉलेज वर्सिज लीजेंड क्रिकेटर चूरू मैं खेला गया। मेडिकल टीम की तरफ से डॉ. महेश पुकार, डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. मनफूल, डॉ. नदीम, अनिल शर्मा, वेद प्रकाश खींची, नदीम एवं लीजेंड क्रिकेट टीम की तरफ से अफजल खान, लियाकत खान, अजीज खान, अल्ताफ गोरी, आरिफ मोयल, दोनों टीम के बीच खेला गया। मैच रोमांचक रहा।

अभिषेक सुराणा ने वीसी के जरिए एसआईआर—2026 को लेकर सभी ईआरओ को दिए निर्देश

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने रविवार को डीओआईटी वीसी सभागार में वीसी के जरिए एसआईआर—2026 को लेकर प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी ईआरओ को समुचित निर्देश दिए। उन्होंने सभी ईआरओ को परिगणना प्रपत्रों को संग्रहित एवं डिजिटाईजेशन कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ईआरओ से कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को आवश्यक रूप से गणना प्रपत्र भरने के लिए जागरूक करें तथा जानकारी दें कि कोई भी मतदाता दो अलग-अलग स्थानों से दो गणना प्रपत्र नहीं भरे, यह दण्डनीय अपराध है तथा ऐसा करने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-31 के तहत सजा आरै जुर्मानि की कार्यवाही की जा सकती है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्वेता कोचर ने एसआईआर—2026 अंतर्गत प्रचार—प्रसार, मतदाता जागरूकता गतिविधियों को लेकर निर्देश दिए।

डॉ. चन्द्रेश कुमार छतलानी को सनशाइन इंस्पायरिंग मैन अवॉर्ड 2025

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा, तकनीकी नवाचार एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजस्थान विद्यापीठ के डॉ. चन्द्रेश कुमार छतलानी को सनशाइन ऑफ इंडिया संस्था द्वारा सनशाइन इंस्पायरिंग मैन अवॉर्ड–2025 प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज के प्रति उनकी निरंतर सेवाओं, प्रेरणादायी व्यक्तित्व और सकारात्मक परिवर्तन के प्रयासों के लिए दिया गया। सम्मान पत्र प्रदान करते हुए संस्था की संस्थापक रेखा हिसार ने कहा कि डॉ. छतलानी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी विकास, और समाजहित के प्रति समर्पण का अनूठा उदाहरण हैं। उनकी निष्ठा, सेवा और मानवीय दृष्टिकोण अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। पुरस्कार प्रमाणपत्र में डॉ. छतलानी के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी, करुणा और सकारात्मक बदलाव के चमकते प्रतीक के रूप में वर्णित किया गया है। उनकी पहल ने शिक्षा और डिजिटल विकास को आम लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. छतलानी ने इस सम्मान के लिए संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार समाज हित के लिए उनके प्रयासों को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। छतलानी 25 से अधिक वर्षों के अनुभव को शिक्षा, तकनीक, शोध और साहित्य- इन सभी क्षेत्रों में समाज के हित में उपयोग कर रहे हैं। अब तक 150 से अधिक सॉफ़्टवेयर/वेब एप्लिकेशन और स्कूली बच्चों के लिए 50 से अधिक खेल आधारित ऑनलाइन शिक्षा के वेब पेज बना कर कार्यों को सरल और पारदर्शी बनाने में योगदान दिया है। तकनीकी विषयों और साहित्यिक विषयों पर शोध कार्यों के माध्यम से नवाचारों को आगे बढ़ाना और अपनी लघुकथाओं व कविताओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्त कर निरंतर सकारात्मकता फैला रहे हैं।

मोहसिन खत्री के नेतृत्व में किया बीएलओ का सम्मान

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वार्ड संख्या 30 में नियुक्त बीएलओ द्वारा 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ घर-घर जाकर मतदाताओं के गणना पत्र भरवाने तथा उन्हें समय पर डिजिटेलेशन करवाने के इस सराहनीय कार्य को देखते हुए वार्ड के पूर्व पार्षद मोहसिन खत्री के नेतृत्व में सुपरवाइजर नरपतसिंह राजपुरोहित, बीएलओ अशोक चौधरी, गौतम जोशी, अमृत जीनगर, राजेंद्रसिंह का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत कर हौसला-अफ़ज़ाई की। पूर्व पार्षद मोहसिन खत्री ने बताया कि बीएलओ द्वारा किए जा रहे नियमित भ्रमण और जनसंपर्क से आमजन में मतदाता सूची सुधार प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ी है और अधिकाधिक लोगो ने अपने गणना पत्र भरकर जमा कराए। पूर्व मनोनीत पार्षद आमीन अली रंगरेज ने कहा कि मतदाता सूची को सटीक व अद्यतन बनाने के उद्देश्य से चल रहे इस अभियान में सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए आप भी अपना गणना पत्र अवश्य भरें और BLO को जमा करें। इस अवसर पर वार्ड के मोहसिन खत्री, आमीन अली रंगरेज, मुस्ताक गोरी, जावेद गौरी, इरफान अंसारी, असगर खत्री, सुब्हान अंसारी, गुल्लू भाई, आसिफ मेवाफरोश, अय्यूब रंगरेज, इरफान हैरी, साहिल मोम सहित दर्जनों वार्डवासी मौजूद रहे।

रमीला मेघवाल कांग्रेस जालौर जिला अध्यक्ष घोषित, कार्यकर्ताओं में खुशी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस ने जालौर जिला अध्यक्ष पद पर महिला चेहरा रमीला मेघवाल को अवसर दिया है इस पद पर मेघवाल समाज पर कांग्रेस ने दाव खेलकर रानीवाड़ा विधानसभा व सांचौर विधानसभा क्षेत्र के संतुलन को बनाए रखने का प्रयास किया है। सुखराम बिश्नोई व रतन देवासी के नेताओं की नजर अध्यक्ष पद पर थी लेकिन पार्टी ने एन वक्त पर एक अनुसूचित जाति के शिक्षक महिला वर्ग को आगे करके गुटबाजी समाप्त करने का प्रयास किया और दलित वर्ग को पूर्ण पार्टी के साथ जोड़ने का प्रयास करके आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया है कांग्रेस के इस फैसले की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। स्वर्ण व ओबीसी वर्ग के महत्याकांशी नेताओं को धक्का लगा है। जबकि पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई खेमे की तरफ से सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है लंबे समय से जालौर में कांग्रेस गुटबाजी में खींचतान हो रही थी जिसको देखते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मेघवाल समाज पर एक बार फिर भरोसा जताकर जिला अध्यक्ष पद पर रमीला मेघवाल को घोषित किया गया।

मुस्लिम महासभा का विस्तार अभियान तेज

-जमील अहमद जिला अध्यक्ष नियुक्त, सवाई माधोपुर में दो ब्लॉक अध्यक्षों को मिली कमान

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। संगठन विस्तार की प्रक्रिया के तहत मुस्लिम महासभा ने झुंझुनू तथा सवाई माधोपुर जिले में नई नियुक्तियाँ जारी की हैं। राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी, राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान की सहमति तथा राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान की विशेष अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष जनाब इकबाल भाटी ने झुंझुनू जिले के लिए जमील अहमद को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही सवाई माधोपुर जिले में संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत वकील अहमद ने भरतपुर संभाग अध्यक्ष जनाब रफ़ीक़ खान की सहमति से जनाब आमीन को सवाई माधोपुर ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष व फ़ारूक़ को वजीरपुर ब्लॉक अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। आलाकमान राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी ने कहा कि संगठन में नई ऊर्जा और जमीनी सक्रियता लाने के उद्देश्य से ये नियुक्तियाँ की गई हैं, राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान ने कहा कि नए पदाधिकारी कौमी एकता और जनसेवा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। नवनियुक्त पदाधिकारी जमील अहमद, झुंझुनू जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए सम्मान है। मैं संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का पूरा प्रयास करूँगा। आमीन ब्लॉक अध्यक्ष, सवाई माधोपुर ग्रामीण का कहना है कि संगठन की नीतियों को घर-घर पहुँचाना और ब्लॉक को सक्रिय बनाना मेरी प्राथमिकता है। फ़ारूक़ ब्लॉक अध्यक्ष, वजीरपुर ने बताया कि समाजसेवा और संगठनात्मक विस्तार को केंद्र में रखते हुए मैं पूरी निष्ठा से कार्य करूँगा। प्रदेश मीडिया प्रभारी अज़ीम खान तथा राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि नई नियुक्तियाँ संगठन में नई ऊर्जा और मजबूती का प्रतीक हैं। दोनों ने आशा व्यक्त की कि नई टीम अपने क्षेत्रों में संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान को लेकर इंसानियत एकता समिति की बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित भाईजी चौक राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति द्वारा रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान चलाने व शिक्षा के प्रति जागरूकता मुहिम शुरू करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष अकबर खान ने की। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि समिति की तरफ से दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह से रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत चूरू शहर सहित शेखावाटी के सभी शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर असहाय व जरूरतमंद लोगों को कम्बल व ऊनी वस्त्र वितरित किए जाएंगे। साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर, कोट, जुराब, जूते आदि भी वितरित किए जाएंगे। सहायक सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर ने बताया कि समिति की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सामाजिक कुरीतियों और शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची के खिलाफ मुहिम चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली, सहायक सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर, मो.रफीक राजगढ़िया, गुलाम हुसैन गौरी, सुलेमान मनीहार, नौशाद खान, अयूब खान, हनीफ खान, दानिश पठान, समीर खान आदि समिति के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। संचालन मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने किया व्यवस्थापक जाफर खान ने सभी का आभार जताया।

अहमदाबाद व मेहसाणा में 'संगठन सृजन' के तहत विशाल जनसभा 28 व 29 नवम्बर को

-इमरान प्रतापगढ़ी के साथ मौजूद रहेंगे इंजि. इंसाफ अली आजाद

कोटा (रॉयल पत्रिका) । सोमवार 24 नवम्बर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजि. इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें गुजरात में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण हेतु उनके आगामी आधिकारिक दौरे की जानकारी साझा की गई है। गुजरात प्रदेश में संगठनात्मक पुनर्निर्माण, अल्पसंख्यक समुदायों तक प्रभावी पहुँच और जमीनी स्तर पर पार्टी ढांचे को मजबूत बनाने के उद्देश्य से इंजि. इंसाफ अली आज़ाद 25 से 29 नवम्बर 2025 तक गुजरात के 05 दिवसीय विशेष एवं रणनीतिक दौरे पर रहेंगे । "इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान इंजि. इंसाफ अली आज़ाद विभिन्न जिलों में संगठन की जमीनी हकीकत का आकलन करेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे। विशेष रूप से 28 नवम्बर को अहमदाबाद और 29 नवम्बर को मेहसाणा में होने वाले 'संगठन सृजन' कार्यक्रमों में इंजि. इंसाफ अली आज़ाद, राज्यसभा सांसद और एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन इमरान प्रतापगढ़ी के साथ मंच साझा करेंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान दोनों नेता साथ मिलकर उच्च-स्तरीय बैठकों और रणनीतिक सत्रों में हिस्सा लेंगे, जिससे आगामी राजनीतिक दिशा तय करने में मदद मिलेगी।" इंजि. इंसाफ अली आज़ाद का यह दौरा गुजरात के राजनीतिक परिदृश्य में नई ऊर्जा, सकारात्मक गतिशीलता और मजबूत संगठनात्मक नेतृत्व की परिभाषा प्रस्तुत करेगा ।

करौली जिलाध्यक्ष बनने के बाद विधायक महर का पहला दौरा

-बालघाट नांगल शेरपुर पैंचला में किया भव्य स्वागत

टोड़ाभीम/नांगलशेरपुर (रॉयल पत्रिका) । विधायक घनश्याम महर को करौली जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पहली बार करौली दौरे पर क्षेत्रीय विधायक का जगह-जगह स्वागत सत्कार किया गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एवं टोडाभीम विधायक का बालघाट में कांग्रेस नेता शकील अहमद ग्राम पंचायत प्रशासक हंसराज वैरवा के नेतृत्व में नांगल शेरपुर में ग्राम पंचायत सरपंच राकेश मीणा व पूर्व जिला प्रमुख शिवदयाल मीणा के नेतृत्व में एवं पैंचला में कांग्रेस नेता सूरज सिंह गुर्जर के नेतृत्व में माला साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विधायक के साथ रहे सैकड़ों कार्यकर्ताओं के द्वारा कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। इस मौके पर विधायक महर ने कहा कि टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश में किसानों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ खेती-बाड़ी के लिए प्रयुक्त होने वाला खाद भी समय पर नहीं मिल रहा खाद की किल्लत और कालाबाजारी लगातार चल रही है इसकी रोकथाम हेतु पूर्व में भी टोडाभीम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया जा चुका है उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार गरीब मजदूर किसानों की हितैषी रही है आगे भी विधानसभा में उनके हित अधिकारों की आवाज उठाते रहेंगे। वहीं गांव पैंचला में सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा भोजन करने के बाद काफिला आगे बढ़ गया गौरतलब है कि सोमवार को जयपुर से चलकर करौली दौरे पर रहे विधायक का करौली हिंडौन मार्ग पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। वहीं विधायक का देर सांय गुढ़ाचंद्र जी के घटवासन देवी माता मंदिर पर उनका दर्शन का कार्यक्रम है।

सांचौर भारतमाला एक्सप्रेसवे पर अधूरे प्रबंध और अवैध ढाबों ने बढ़ाया खतरा

-आए दिन होते हैं हादसे, प्रशासन मौन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर क्षेत्र से गुजरने वाला भारतमाला परियोजना की 754 ए सड़क को 2 दिन पूर्व विभाग द्वारा बड़े वाहनों के आवागमन के लिए रॉयल के बहाने बिना एनओसी ही खोल दिया गया लेकिन सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल मौके पर स्पष्ट दिखाई दे रही है। एक्सप्रेस वे पर कई स्थानों पर टूटी रेलिंग अधूरे बेरिगेटिंग और असुरक्षित कट सड़क हादसों को नियोक्ता दे रहे हैं। दूसरी और विभाग का यह दावा भी खोखला साबित हो रहा है कि एक्सप्रेस वे किनारे सभी अवैध ढाबे हटाए जा चुके हैं लेकिन वास्तविक में यह स्थिति है कि भारतमाला की परिधि दीवार को तोड़कर अवैध ढाबे खुले आम संचालित हो रहे हैं। इन ढाबों पर भारी वाहनों की अनियमित पार्किंग दुर्घटना का बड़ा कारण बन रहा है। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से इन्हें रोकने के ठोस प्रयास धरातल पर नजर नहीं आ रहे हैं। अब विभाग की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के प्रयास में जिला कलेक्टर को पत्र लिखने की बात कह रहा है जिसमें अवैध ढाबों के खिलाफ कार्रवाई हेतु जाब्ता मांगा गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब ढाबों का संचालन खुले आम चल रहा है तो विभाग द्वारा अपने स्तर पर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना एनओसी सड़क खोलने और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर लापरवाही ने बड़ा जोखिम पैदा कर दिया है यदि समय रहते विभाग ने व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की तो और अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई तो एक्सप्रेस वे पर गंभीर हादसों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। अभी कुछ दिन पहले ही ढाबो के कारण वहां बीच सड़क पर वाहन छोड़कर हादसे का शिकार हुआ जिसमें कई लोगों ने अपनी जान गवादी प्रशासन के ध्यान में होते हुए फिर भी अवैध ढाबों पर किसी तरीके का कोई लगाम अभी तक धरातल पर नहीं दिख रहा है समय रहते अवैध ढाबों को नहीं हटाया तो हादसों का शिकार होने में देर नहीं रहेगी।

शहर में पाँच स्थानों पर एसआईआर शिविर प्रारम्भ

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां शहर के पाँच स्थानों पर एसआईआर शिविर प्रारम्भ किए गए, जिनमें अम्बेडकर भवन लंका कॉलोनी, भीमगंज वार्ड स्कूल तेलफैक्ट्री, अग्निशमन केन्द्र कोटा रोड़, नगर परिषद कार्यालय एवं बरडिया बस्ती राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में एसआईआर शिविर प्रारम्भ किए गए। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विश्वजीत सिंह ने बताया कि शिविर में मतदाताओं के स्वयं के नाम व माता-पिता, दादा-दादी के नाम मतदाता सूची 2002 में तलाशने में सहयोग किया गया साथ ही उपस्थित बीएलओ द्वारा मौके पर ही गणना प्रपत्र भरवाकर प्राप्त किए गए। शिविर में नगर परिषद बारां के फायर मेन, सफाई कर्मी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स का सहयोग रहा।

पहलगाम हमले पर शाहरुख खान का बयान

कोई पूछे क्या करते हो, सीना ठोक कर कहना, देश की रक्षा करता हूं

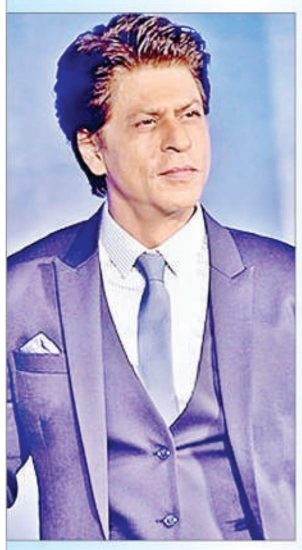

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान शनिवार को ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 का हिस्सा बने। ये कार्यक्रम मुंबई में आयोजित हुआ था। इस दौरान शाहरुख खान ने 26/11, पहलगाम आतंकी हमला और हाल ही में दिल्ली बम ब्लास्ट के शहीदों के लिए भावुक स्पीच दी और शांति का संदेश दिया है। शाहरुख खान ने कहा, '26/11, पहलगाम आतंकी हमला और हाल ही में हुए दिल्ली ब्लास्ट में अपने प्राणों की आहूति देने वाले बेगुनाह लोगों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। और इन हमलों में शहादत पाने वाले हमारे वीर सुरक्षाकर्मियों को मेरा सादर नमन।' जब कोई तुमसे पूछे कि तुम क्या करते हो, तो सीना ठोक कर कहना 'मैं देश की रक्षा करता हूं।' पूछे अगर कोई 'कितना कमा लेते हो?' तो हल्के से मुस्कुराकर कहना '140 करोड़ लोगों की दुआएं कमा लेता हूं।' और अगर मुड़कर फिर भी तुमसे पूछे 'कभी डर नहीं लगता?' तो आंख में आंख डालकर कहना 'जो हम पर हमला करते हैं, उन्हें लगता है।'आगे शाहरुख खान ने कहा, 'आज ग्लोबल पीस ऑनर्स के इस मौके पर मैं पूरे देश की तरफ से इन शहीदों के परिवार को भी सलाम करता हूं, उन मांओं को सलाम करना चाहता हूं, जिनकी कोख ने इन बहादुर बेटों को जन्म दिया। उनके पिता के जज्बे को सलाम करना चाहता हूं, उनके पार्टनर्स के हौसले को सलाम करना चाहता हूं, क्योंकि जंग में वो थे, लेकिन लड़ाई आपने भी लड़ी। वो भी बेहद हिम्मत और जांबाजी के साथ। आप सब को मेरा दिल से सलाम।''इस देश के बारे में हमेशा कहा जाता है कि भारत कभी झुकता नहीं। हमें कोई रोक नहीं पाया है, हमें हरा नहीं पाया है। हमारे अमन को हमसे कोई छीन नहीं पाया है। क्योंकि जब तक इस देश के सुपरहीरो, वर्दी के लोग हमारी रक्षा कर रहे हैं, तब तक हमारे मुल्क से अमन और शांति को दूर करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आखिर में शाहरुख ने कहा, 'शांति एक खूबसूरत चीज है, सारी दुनिया दरअसल, इसी को खोजती है, इसे ही पाने की कोशिश में लगी रहती है। शांति ही है, जिसे सारे बड़े-बड़े लोग खोजते हैं, पाना चाहते हैं। शांति से ही विचार जागते हैं, बेहतर सोच जागती है, नए आइडियाज सोचे जाते हैं। चलिए हम सब मिलकर शांति की तरफ कदम बढ़ाएं।

प्रभास की फिल्म स्पिरिट की शूटिंग शुरू

मुहूर्त पर चिरंजीवी रहे मौजूद, दीपिका पादुकोण के बाहर होने से फिल्म सुर्खियों

सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट आखिरकार फ्लोर पर आ गई है। फिल्म का मुहूर्त कार्यक्रम मेगास्टार चिरंजीवी की मौजूदगी में आयोजित किया गया, जहां पूरी टीम ने पहले शूटिंग शेड्यूल की शुरुआत की।'स्पिरिट' को टी-सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं। फिल्म का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले कबीर सिंह और एनिमल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं।फिल्म में प्रभास के साथ पहली बार तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। एनिमल में अपने दमदार प्रदर्शन के बाद, तृप्ति अब एक नई जोड़ी के रूप में प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। फिल्म में विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। फिल्म स्पिरिट में प्रभास एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज हो सकती है।बता दें कि स्पिरिट दीपिका पादुकोण की वजह से चर्चा में आई थी और इसका कारण उनके फिल्म में बाहर का होने का विवाद था।कथित तौर से दीपिका की तरफ से आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं, इसलिए वो कथित तौर से हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से संदीप खुश नहीं थे। जिसके बाद उनको फिल्म से बाहर किया गया था।

इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहीं मालती चाहर

उनकी खूबसूरत भाभी भी चर्चा में, भाई रह चुका है बिग बॉस का हिस्सा

बिग बॉस में इन दिनों मालती चाहर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं, लेकिन वहीं घर के बाहर उनकी भाभी काफी चर्चा में बनी हुई हैं. मालती की भाभी एक बिजनेस वूमेन के तौर पर जानी जाती हैं। बिग बॉस 19 इस वक्त लोगों के बीच चर्चा में हैं, शो के कंटेस्टेंट्स भी लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. इन सभी के दौरान जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा हुई, वो इंडियन क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर हैं। बिग बॉस 19 इस वक्त लोगों के बीच चर्चा में हैं, शो के कंटेस्टेंट्स भी लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं। इन सभी के दौरान जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा हुई, वो इंडियन क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर है। मालती खुद फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन इसी दौरान मालती के साथ ही साथ उनकी भाभी भी लोगों के बीच काफी तारीफें बटोर रही हैं. दरअसल, मालती की भाभी, पहले से ही उनकी अच्छी दोस्त हैं। मालती खुद फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन इसी दौरान मालती के साथ ही साथ उनकी भाभी भी लोगों के बीच काफी तारीफें बटोर रही हैं. दरअसल, मालती की भाभी, पहले से ही उनकी अच्छी दोस्त हैं। मालती की भाभी का नाम जया चाहर हैं, जिसे दीपक चाहर ने साल 2021 में हुए आईपीएल में मैच के दौरान स्टेडियम में प्रपोज किया था। दोनों की मुलाकात मालती के जरिए ही हुई थी, जिसके बीच इनका रिश्ता बना। जिस वक्त जया की फोटो वायरल होना शुरू हुई थी, उस वक्त लोगों को लगा कि वो कोई विदेशी हैं।

लेकिन, मालती ने सोशल मीडिया पर क्लियर करते हुए लिखा था कि लो मिल गई भाभी और लड़की विदेशी नहीं दिल्ली की। हालांकि, जया फिल्मी दुनिया से कोई कनेक्शन नहीं रखती, लेकिन लोगों ने उन्हें पहली नजर में मॉडल समझा था. जया पहले एक कॉर्पोरेट फर्म में काम करती थीं, लेकिन अब वो खुद का बिजनेस शुरू किया है। हालांकि, जया का भाई सिद्धार्थ भारद्वाज एक एक्टर और मॉडल हैं, जो कि बिग बॉस और स्प्लिट्स विला जैसे कई शो में शामिल हो चुके हैं साथ ही उन्होंने स्प्लिट्स विला के दूसरे सीजन के विनर के तौर पर भी लोगों के सामने आए थे। हालांकि, जया का भाई सिद्धार्थ भारद्वाज एक एक्टर और मॉडल हैं, जो कि बिग बॉस और स्प्लिट्स विला जैसे कई शो में शामिल हो चुके हैं. साथ ही उन्होंने स्प्लिट्स विला के दूसरे सीजन के विनर के तौर पर भी लोगों के सामने आए थे।

सीरियल किलर बनेंगी माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित जियोहॉटस्टार की सीरीज मिसेज देशपांडे में सीरियल किलर का किरदार निभाती नजर आएंगी। जियोहॉटस्टार ने अपनी बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सीरीज़ मिसेज देशपांडे की रिलीज़ डेट घोषित कर दी है, जिसमें माधुरी दीक्षित मिसेज देशपांडे की मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। इस सीरीज का शानदार टीज़र दर्शकों को मिसेज देशपांडे की दुनिया की एक विचलित करने वाली झलक देता है, जहां माधुरी दीक्षित एक सादे, बिना मेकअप वाले लुक में बड़ी ही शांति के साथ सब्जियां काट रही हैं, जबकि रेडियो बुलेटिन एक सीरियल किलर के फरार होने की चर्चा कर रहा है। नागेश कुकूनूर द्वारा निर्देशित यह सीरीज़ धैर्य और सटीकता से टेंशन क्रिएट करती है। यह एक ऐसी कहानी रचती है जो समाप्त होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। एप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा कुकूनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित यह शो मूल फ्रेंच थ्रिलर ला मांटे से रूपांतरित किया गया है, जिसका निर्माण जीन नैनक्रिक ने किया था। इसमें सिद्धार्थ चंदेकर और प्रियांशु चैटर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। माधुरी दीक्षित ने कहा कि मिसेज देशपांडे मेरे द्वारा अब तक निभाए गए किसी भी किरदार से एकदम अलग है।

रोनित रॉय ने परिवार के लिए उठाया ये बड़ा कदम

फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने एक्टर रोनित रॉय वैसे तो अभी तक अपने काम को लेकर चर्चाओं में थे, लेकिन अब रोनित रॉय अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी हेडलाइन में आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि रोनित रॉय ने एक बड़ा कदम उठाया है। रोनित रॉय के इस एक्शन को देख फैन्स तो चौंक ही गए हैं। दरअसल हाल ही में रोनित रॉय ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है। रोनित इस पोस्ट में ऐलान करते नजर आ रहे हैं कि वह अब सोशल मीडिया से दूरियां बना रहे हैं, लेकिन कितने समय तक वह अपने सोशल मीडिया से दूर रहेंगे इस बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। बना रहे हैं सोशल मीडिया से दूरियां रोनित ने अपने पोस्ट में लिखा कि- आराम और अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर लीक से हटकर जीना बहुत ही मुश्किल है। यह बहुत ही डरावना है। रोनित कहते हैं कि आप जानते ही हैं कि मैं आपसे कितना प्यार करता हूं। मैं आपकी पोस्ट को स्क्रॉल करता हूं। लाइक और कमेंट करता हूं। आपने जो कुछ भी मुझे दिया है मैं उसका आभारी हूं।

मिलाप जावेरी ने की हर्षवर्धन राणे की तारीफ एक्टर ने दिया मजेदार जवाब

हालिया रिलीज फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' की सफलता से गदगद डायरेक्टर मिलाप जावेरी फिल्म के एक्टर हर्षवर्धन राणे की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर तारीफ करते नजर आए। मिलाप की पोस्ट पर हर्षवर्धन ने मजेदार अंदाज में रिप्लाई भी किया। मिलाप जावेरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हर्षवर्धन की तस्वीर पोस्ट करते हुए एक लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखा और उनकी खूब तारीफ की। मिलाप ने लिखा, 'बहुत कम एक्टर्स किसी रोल में इतना डूबते हैं कि वो को-राइटर, को-एडिटर और को-डायरेक्टर बन जाते हैं। हर्षवर्धन राणे मेरी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' में बिल्कुल ऐसे ही थे।' उन्होंने हर्षवर्धन की तारीफ करते हुए आगे लिखा, 'फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना हो गया, ब्लॉकबस्टर चल रही है, अभी भी थिएटर्स में लगी है। अगर उनके पास चॉइस होती तो हर्ष आज भी मॉनिटर के सामने बैठे अपनी परफॉर्मेंस को और बेहतर बनाने के तरीके ढूंढ रहे होते और मुझे मेरी राइटिंग-डायरेक्शन में इंस्पिरेशन दे रहे होते।' इस पोस्ट का जवाब देते हुए हर्षवर्धन ने भी कमाल का अंदाज दिखाया। उन्होंने लिखा, 'मिलाप जावेरी मैंने अपनी जिंदगी में किसी डायरेक्टर के साथ अगली फिल्म शुरू करने का इतना बेसब्री से इंतजार कभी नहीं किया!

इच्छाधारी नाग बन चमकी कार्तिक की किस्मत

चौथी बड़ी फिल्म में बनेंगे नए Munna Bhai MBBS

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के उन एक्टर्स में से एक हैं, जिनके सितारे इस वक्त बुलंदियों पर है यहां एक फिल्म खत्म नहीं होती कि दूसरे की चर्चा शुरू हो जाती है. एक्टर के पास पहले ही तीन बड़ी फिल्में लाइन में है। इसी साल 25 दिसंबर को उनकी अनन्या पांडे के साथ फिल्म आ रही है। जिसके बाद अगली दो फिल्में 2026 के लिए शेड्यूल हैं। इसी बीच उन्हें नया Munna Bhai MBBS बनाने की कौन तैयारी कर रहा है? साथ ही मेकर्स की क्या प्लानिंग है, जान लीजिए। कार्तिक आर्यन 'इच्छाधारी नाग' बन चमकी कार्तिक की किस्मत, चौथी बड़ी फिल्म में बनेंगे नए Munna Bhai MBBS? कार्तिक आर्यन के सितारे बुलंदियों पर है। यूं तो वजह उनकी ही पिछली फिल्में रही हैं, जिनका सक्सेस रेट जबरदस्त रहा है। उनकी पिछली फिल्म 'भूल भुलैया 3' रही थी, जिससे उन्होंने अजय देवगन को टक्कर दी और जीत गए थे. इस वक्त उनके पास तीन बड़ी फिल्में हैं. जिसमें 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इसी साल 25 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है. जबकि, दूसरी ओर अनुराग बसु वाली रोमांटिक फिल्म को अक्टूबर में लाने की प्लानिंग है। उसके अलावा 'नागजिला' भी उनकी लिस्ट में शामिल है। इसी बीच एक्टर को चौथी बड़ी फिल्म मिल गई है। क्या वो नए Munna Bhai MBBS बनने वाले हैं।

(साभार एजेंसी)

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः

लक्ष्य सेन बने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बने

सिडनी, एजेंसी। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-11 से हराया। लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थीं और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलयेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले संजू सैमसन बने कप्तान, टीम ने बड़े फैसले से चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट का आगाज 26 नवंबर से होने जा रहा है. सैमसन पिछले दिनों आईपीएल ट्रेड को लेकर चर्चा में रहे, जो अब राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ चेन्नई सुपर किंग्स में आ गए हैं. अब आईपीएल ऑक्शन से पूर्व वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे. केरल के स्क्वाड में संजू के भाई सैली सैमसन को भी जगह मिली है. दोनों भाइयों की जोड़ी इससे पहले केरल क्रिकेट लीग में एकसाथ खेलती दिखी थी. आपको याद दिला दें कि केरल क्रिकेट लीग के सीजन 2 में सैली सैमसन ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स टीम की कप्तानी की थी. सैमसन भाइयों के अलावा केरल टीम में अहमद इमरान को जगह मिली है, जो टीम के उपकप्तान होंगे. आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके विग्नेश पुथुर और विष्णु विनोद को भी टीम में जगह मिली है. केसीएल के पिछले दोनों सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अखिल स्कारिया भी स्क्वाड का हिस्सा हैं, लेकिन सचिन बेबी को जगह नहीं मिल पाई है.

एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल, राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैम्पियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, गीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयद्रथ, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।

शादी से पहले अनोखा सेलीब्रेशन, स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की टीम के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

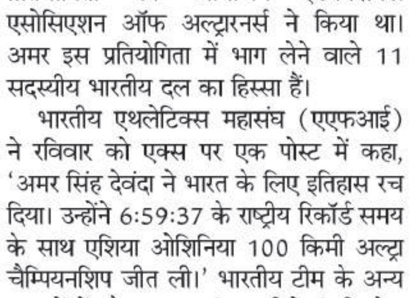

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल ने अपनी शादी से ठीक पहले यानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक-दूसरे के खिलाफ क्रिकेट मैच खेला। स्मृति मंधाना ने इस मैच में टीम ब्राइड की कप्तानी की जबकि टीम ग्रुम की कप्तानी पलाश मुच्छल ने की और इस मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की साथी खिलाड़ियों ने साथ ही पलाश के करीब दोस्तों ने हिस्सा लिया। स्मृति की टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, राधा यादव और ऋचा घोष शामिल थीं।

केएल राहुल बन सकते है टीम इंडिया के ओडीआई कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की गर्दन की गंभीर तकलीफ के कारण उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर होने की संभावना है। ऐसे में केएल राहुल टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। कोलकाता टेस्ट में बढ़ी गिल की चोट गिल को 14 से 16 नवंबर के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन बैटिंग करते समय गर्दन में अकड़न महसूस हुई थी। तकलीफ बढ़ने पर उन्हें बीच में ही बल्लेबाजी छोड़नी पड़ी। यह मुकाबला तीन ही दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। गिल गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं।

हालांकि वह टीम के साथ गुवाहाटी तक गए थे, लेकिन बाद में वहां से मुंबई लौट आए। फिलहाल वह मुंबई में लगातार स्कैन और विशेषज्ञों से परामर्श ले रहे हैं। गर्दन की चोट नस या मांसपेशियों से जुड़ी समस्या बीसीसीआई अधिकारियों के मुताबिक गिल की चोट सामान्य नहीं है। यह मांसपेशियों या नसों से जुड़ी जटिल समस्या हो सकती है। गिल को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह मिली है। संभावना है कि वह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज भी मिस कर सकते हैं।

साहिबजादा फरहान ने रचा इतिहास, ये रिकॉर्ड बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजी की मिसाल बनने वाले पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-नेशन टी20आई सीरीज में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली। रावलपिंडी में खेले गए मैच में उन्होंने न केवल पाकिस्तान को 27 गेंदें बाकी रहते शानदार जीत दिलाई बल्कि साथ ही ञ्20 फॉर्मेट में एक कैलेंडर साल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले पाकिस्तान के पहले और दुनिया के 12वें बल्लेबाज़ बनकर इतिहास रच दिया। उनकी नाबाद 80 रन की पारी ने पाकिस्तान को सीरीज में लगातार दूसरी जीत दिलाने के साथ उन्हें सुर्खियों में ला दिया। श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में साहिबज़ादा फरहान पूरी तरह अलग ही लय में नज़र आए। 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन की पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के जड़े और इसी के साथ उनके साल 2025 में कुल छक्कों की संख्या 102 हो गई। इस सूची में उनसे आगे केवल दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह (122) और वेस्टइंडीज़ के निकोलस पूरन (103) हैं।फरहान ने यह उपलब्धि पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हासिल की है, जो उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म और आक्रामक अंदाज़ का बड़ा प्रमाण है। सिर्फ छक्कों के मामले में ही नहीं, फरहान इस साल टी20 में फिफ्टी-प्लस स्कोर के मामले में भी टॉप बैट्समैनों की बराबरी पर हैं।

इंडियाः दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के 489 रन, भारत ने बिना विकेट गंवाए 9 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट का दूसरा दिन समाप्त हो गया। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के जवाब में भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले कुलदीप यादव ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शतक की ओर बढ़ रहे माकर यानसन (93) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने आज 152वें ओवर की पहली गेंद पर माकर यानसन को आउटकर दिन का अपना यह पहला विकेट झटककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 489 रन के स्कोर पर अंत किया। माकर यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। कुलदीप ने चार विकेट लिए, और जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। लंच के बाद 139वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने शतकवीर सेनुरन मुथुसामी यशस्वी जयसवाल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली।

144वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर (पांच) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। पहले सत्र में भारतीय गेंदबाजों को चायकाल तक नहीं मिली सफलता, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई।

काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक जड़ा।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25ः

इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक, 21 दिसंबर को होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है–200 मीटर में टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है। कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं– 'ज़िंदगी ने सिखाया है कि मंज़िल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है।

हॉकी इंडियाः पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा, हॉकी इंडिया ने लिया फैसला

मदुरै, एजेंसी। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी हॉकी इंडिया ने बड़ा फैसला लेते हुए पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की है। यह वैश्विक टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है।

इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।'

बयान में बताया गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

पर्थ में हार के बाद हेड कोच मैकुलम ने 'बैजबॉल' का किया समर्थन, कहा- इंग्लैंड पीछे नहीं हटेगा

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि पर्थ में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से करारी हार के बाद उनकी टीम अपने 'बैजबॉल' दृष्टिकोण से पीछे नहीं हटेगी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में मेहमान टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन हार के साथ खत्म दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/123 था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार बॉलिंग से ऑस्ट्रेलिया 132 रन पर आउट हो गई और थ्री लायंस ने 40 रन की लीड ले ली, जिससे वे 14 साल में ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए। इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट बाकी रहते 105 रन की लीड मिल गई। हालांकि, उनकी बैटिंग तब लड़खड़ा गई जब उन्होंने 18.2 ओवर के अंदर अपने बाकी सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद अपने टोटल में सिर्फ 99 रन और जोड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया को 205 रन का टारगेट चेज करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली जिसमें सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की लीड लेने में मदद मिली।

पहला टेस्ट हारने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि नतीजे से दुख होगा, लेकिन उन्हें भरोसा है कि इंग्लैंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और वह आने वाले ब्रिस्बेन टेस्ट पर फोकस करेगा। मैकुलम ने कहा, 'हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा रिएक्ट करने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे सिर्फ हमें ही नहीं, बल्कि इस क्रिकेट टीम को फॉलो करने वाले सभी इंग्लिश लोगों को भी नुकसान होगा। बहुत बातें होंगी। हमारे लिए, यह पक्का करना जरूरी है कि हम अपने कॉन्फिडेंस और अपने भाईचारे को बहुत कम न होने दें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेस्ट देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है ताकि हम यह पक्का कर सकें कि जब हम ब्रिस्बेन पहुंचें, तो हम वापसी करें। मैकुलम ने कहा कि वे अगले चार टेस्ट मैचों में अपने बेजबॉल अप्रोच से पीछे नहीं हटेंगे। मैकुलम ने कहा, 'मेरा मानना है कि आपको टीम में वह एकता, वह तालमेल, कनेक्टिविटी और वह भाईचारा बनाना होगा, जब आप सबसे ज़्यादा दबाव में हों, और सबसे अच्छी स्थिति में हों, और चीजें उस हिसाब से काम न कर रही हों। मेरे लिए साथ रहने, एक-दूसरे का साथ देने और लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

यह एक मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। आज हमारा दिन बहुत बुरा रहा, लेकिन हमने पहले भी ऐसा किया है। यही हमारा ब्लूप्रिंट है। हम इसके लिए तैयार हैं और हम अगले चार टेस्ट मैचों में इससे पीछे नहीं हटेंगे।' ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है : मोदी

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोदी ने यहां इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बिखरी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में आयोजित बैठक में मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा।

इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है। मानव-केंद्रित विकास सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंचों, साइबर सुरक्षा ढांचे और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पहल को साझा करने की सुविधा के लिए इब्सा डिजिटल नवाचार गठबंधन की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। इब्सा समूह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक शासन प्रणालियों में सुधारों को आगे बढ़ाने और विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 40 देशों में परियोजनाओं के समर्थन में इब्सा निधि के कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने दक्षिण-दक्षिण सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए जलवायु अनुकूल कृषि के लिए इब्सा निधि का प्रस्ताव रखा। मोदी ने इब्सा बैठक को समयोचित बताया, क्योंकि यह अफ्रीकी धरती पर आयोजित प्रथम जी-20 शिखर सम्मेलन के साथ हुई है तथा ग्लोबल साउथ देशों द्वारा लगातार चार बार जी-20 की अध्यक्षता किए जाने का नतीजा है, जिनमें से अंतिम तीन अध्यक्षता इब्सा सदस्यों द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप मानव-केंद्रित विकास, बहुपक्षीय सुधार और सतत विकास पर केंद्रित कई महत्वपूर्ण पहल हुई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इब्सा केवल तीन देशों का समूह नहीं है, बल्कि यह तीन महाद्वीपों, तीन प्रमुख लोकतांत्रिक देशों और तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 के इतर कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर जमैका और नीदरलैंड के अपने समकक्षों सहित कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट के जरिए अपनी मुलाकातों का ब्यौरा साझा किया। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ बातचीत के बाद, मोदी ने कहा कि भारत और जमैका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों से समृद्ध मित्रता से बंधे हैं। उन्होंने कहा, सामूहिक प्रगति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ हमारी साझेदारी लगातार बढ़ रही है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ के साथ बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने जल संसाधन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जल संसाधन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। हम आने वाले समय में व्यापार और निवेश संबंधों को गहरा करने के लिए काम करते रहेंगे।

जी20 में अमेरिका का भाग न लेना दुर्भाग्यपूर्ण : दक्षिण अफ्रीकी मंत्री

जोहानिसबग। दक्षिण अफ्रीका के व्यापार, उद्योग और प्रतिस्पर्धा मंत्री पार्क्स टॉ ने रविवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने इस सप्ताहांत जोहानिसबर्ग में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लिया, जिसमें विश्व व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। टॉ से जब पूछा गया कि अमेरिका के न आने से क्या वह नुकसान में रहेगा और वैश्विक व्यापार पर उसका प्रभाव कम होगा, तो उन्होंने कहा कि इसे जी20 के परिणामों के संदर्भ में आंका जाना चाहिए। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन कहा, वैश्विक व्यापार, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से जुड़े मुद्दों, औद्योगिकीकरण, विकास के लिए वित्तपोषण और कर्ज जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। ए सभी मुद्दे पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन बैठकों में वह (अमेरिका) शामिल नहीं हुआ। मंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर बातचीत जारी रहेगी। उन्होंने कहा, जी20 एक अलग प्रक्रिया है।

मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति से बातचीत की, व्यापार और महत्वपूर्ण खनिज में सहयोग पर चर्चा की

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और खाद्य सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बैठक के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ एक अच्छी और उपयोगी बैठक की। उन्होंने कहा कि बातचीत व्यापार, निवेश, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, एआई, डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा, कौशल विकास और खाद्य सुरक्षा में और सहयोग पर केंद्रित रही। जायसवाल ने कहा, दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडल के आदान - प्रदान शुरू करने पर चर्चा की। मोदी ने इस साल जी20 शिखर सम्मेलन की सफल अध्यक्षता के लिए दक्षिण अफ्रीकी नेता को बधाई भी दी। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने जी20 की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा और दक्षिण अफ्रीका को बधाई दी। दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीका में आयोजित हो रहे पहले जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।अफ्रीकी संघ 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 का सदस्य बना था। यह प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिण अफ्रीका की चौथी आधिकारिक यात्रा है। इससे पहले वह 2016 में द्विपक्षीय यात्रा पर गए थे और बाद में 2018 और 2023 में दो बार ब्रिक्स सम्मेलन के लिए गए थे। दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीकी इलाके में भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। 2023-24 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 19.25 अरब अमेरिकी डॉलर का था। भारतीय व्यापारों ने अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक दक्षिण अफ्रीका में 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है। ये निवेश फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोटिव, बैंकिंग और खनन जैसे अलग-अलग क्षेत्र में किए गए हैं। शनिवार को, जी-20 शिखर सम्मेलन स्थल पर पहुंचने पर मोदी ने कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को गर्मजोशी से स्वागत करने और इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हैं। जी20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का आह्वान किया और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव किया। मोदी 20वें जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहानिसबर्ग की यात्रा पर हैं।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) सीओपी30 का समापन

सीओपी30 के लिए ब्राजील को भारत का मजबूत समर्थन

» बेलेम (ब्राजील), भाषा।

भारत ने ब्राजील को सीओपी30 अध्यक्षता के दौरान समावेशी नेतृत्व के लिए रविवार को मजबूत समर्थन दिया और हाल में संपन्न जलवायु शिखर सम्मेलन में अपनाए गए कई निर्णयों का स्वागत किया। हालांकि नई दिल्ली ने कई निर्णयों पर संतोष जताया, लेकिन उसने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं को रोकने के उद्देश्य से किसी नीति को तैयार करने में सीओपी30 को विशिष्ट रूप से सफल नहीं बताया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में भारत ने शनिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) सीओपी30 के समापन पूर्ण सत्र में दिए गए उच्च-स्तरीय वक्तव्य के लिए आभार जताया। ब्राजील में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ताओं का समापन अत्यधिक मौसम की मार से निपटने के लिए देशों को अधिक वित्तीय सहायता के वादे के साथ हुआ। लेकिन इसमें जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की कोई रूपरेखा शामिल नहीं थी।

जलवायु शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया। वक्तव्य में सीओपी अध्यक्ष आंद्रे कोरीया दो लागो के नेतृत्व के प्रति भारत का आभार जताया गया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, ग्लोबल गोल ऑन एडाप्टेशन (जीजीए) के तहत हुई प्रगति का स्वागत करते हुए भारत ने इस निर्णय के न्याय और समानता के पहलू पर जोर दिया और कहा कि यह विकासशील देशों में अनुकूलन की बेहद जरूरी आवश्यकता की पहचान को दर्शाता है। भारत के संबोधन का एक प्रमुख पहलू विकसित देशों के लंबे समय से चले आ रहे दायित्वों पर जोर था, जो जलवायु वित्त प्रदान करने का है। बयान में भारत द्वारा लंबे समय से लंबित पेरिस समझौते के अनुच्छेद 9.1 पर ध्यान देने की शुरुआत का समर्थन करने के लिए अध्यक्षता के प्रयासों की सराहना की गई। बयान में कहा गया कि भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना के साथ पूरी उम्मीद करता है कि 33 साल पहले रियो में किए गए वादे अब बेलम में पक्षों द्वारा उठाए गए पहले कदमों के कारण पूरे होंगे। भारत ने सीओपी30 की प्रमुख उपलब्धियों, विशेष रूप से न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र की स्थापना पर संतोष व्यक्त किया। बयान में इसे एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया गया और उम्मीद जताई गई कि यह वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर समानता और जलवायु न्याय को क्रियान्वित करने में मदद करेगा। भारत ने सीओपी30 की अध्यक्षता का धन्यवाद भी किया, जिसने एकतरफा व्यापार-प्रतिबंधक जलवायु उपायों पर चर्चा का अवसर प्रदान किया। इन उपायों का प्रभाव सभी विकासशील देशों पर पड़ रहा है और ये समानता और सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांतों के खिलाफ हैं, जो पेरिस समझौते में निहित हैं। नई दिल्ली ने इस बात पर जोर दिया कि इन मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसने कहा कि पक्षों ने इस प्रवृत्ति को उलटने की शुरुआत यहां की है। भारत ने अपनी सिद्धांतपरक जलवायु कार्वाई की दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए उठाए जाने वाले उपायों का बोझ उन पर नहीं डाला जाना चाहिए, जिनकी जिम्मेदारी सबसे कम है। बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया कि अत्यधिक प्रभावित जनसंख्याओं, जिनमें अधिकांश ग्लोबल साउथ में हैं, को वैश्विक समर्थन की आवश्यकता है ताकि वे जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों से खुद को बचा सकें। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ए मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं।

विभाजन और भू-राजनीति से वैश्विक सहयोग पर विपरीत असर पड़ाः संरा जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव

बेलेम (ब्राजील)। संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन के बीच संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टिल ने कहा कि इस साल अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर इनकार, विभाजन, और भू-राजनीति का बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा। ब्राजील में दो सप्ताह की व्यस्त चर्चा के बाद संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता देशों को असामान्य मौसम के असर से निपटने के लिए और अधिक वित्तपोषण के संकल्प के साथ समाप्त हुई। हालांकि इसमें इसमें जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोई रूपरेखा शामिल नहीं थी। सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के नतीजों पर अपने बयान में, स्टिल ने कहा कि वैश्विक संस्था शायद जलवायु की लड़ाई नहीं जीत रही है, लेकिन पक्ष अभी भी इसमें लगे हुए हैं और पक्के इरादे से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें पता था कि यह सीओपी मुश्किल राजनीतिक माहौल में होगा। इनकार, विभाजन और भू-राजनीति ने इस साल अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भारी नुकसान पहुंचाया है। स्टिल ने कहा कि हालांकि, सीओपी30 शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि जलवायु सहयोग बरकरार है और काम कर रहा है, जिससे रहने लायक धरती को लेकर मानवता की लड़ाई बरकरार है और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पहुंच के अंदर रखने का पक्का इरादा है। उन्होंने कहा, यहां बेलेम में, देशों ने एकता, विज्ञान और आर्थिक सामान्य समझ का चयन किया। अमेरिका का नाम लिए बिना स्टिल ने कहा कि इस साल एक देश के पीछे हटने पर बहुत ध्यान दिया गया है।अमेरिका इस साल जनवरी में ऐतिहासिक पेरिस समझौते से पीछे हट गया था, जो जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए विश्व शक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता है। स्टिल ने कहा, राजनीतिक मुश्किलों के बीच, 194 देशों ने एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होकर जलवायु सहयोग के समर्थन में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। ये 194 देश अरबों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्होंने एक आवाज में कहा है कि पेरिस समझौता काम कर रहा है और इसे आगे और तेज़ी से बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, हम एक नए समझौते में प्रगति देख रहे हैं जो न्यायपूर्ण संक्रमण पर केंद्रित है। यह इसका संकेत है कि जलवायु लचीलापन और स्वच्छ अर्थव्यवस्था का निर्माण भी न्यायपूर्ण होना चाहिए, ताकि हर देश और हर व्यक्ति इसके वृहद लाभों में शामिल हो सके। हम इसे अनुकूलन वित्त को तिगुना करने के समझौते में भी देख रहे हैं। नया समझौता यह सुनिश्चित करता है कि अधिक देशों को वह समर्थन मिलेगा जिसकी उन्हें आवश्यकता है। 2025 एडेप्टेशन गैप रिपोर्ट के अनुसार, विकासशील देशों को 2035 तक हर साल 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी, जबकि वर्तमान में यह राशि केवल 26 अरब डॉलर के आसपास है। स्टिल ने कहा, पहली बार, 194 देशों ने एक स्वर में कहा कि वैश्विक स्तर पर कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जलवायु-लचीलापन की तरफ संक्रमण अपरिवर्तनीय है और यही भविष्य की दिशा है। विभिन्न देश इस बात से अक्षरशः सहमत हैं क्योंकि यही सच है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी शांति योजना पर चर्चा के लिए यूक्रेन और पश्चिमी देशों की जिनेवा में बैठक

» जिनेवा, भाषा।

रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रस्तावित शांति योजना पर यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी देशों के बीच जिनेवा में वार्ता हो रही है। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख, राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ अपनी पहली बैठक की। यरमक ने कहा, अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ है। हमें सार्थक वार्ता की उम्मीद है। हम यूक्रेन में स्थाई और न्यायसंगत शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा तैयार किए गए 28 सूत्री प्रस्ताव ने यूक्रेन और अन्य देशों में चिंता पैदा कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को अपने संप्रभु अधिकारों के लिए खड़े होने और आवश्यक अमेरिकी समर्थन को बनाए रखने के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भी जिनेवा पहुंचने की संभावना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव उनका अंतिम प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा, मैं शांति चाहता हूं। यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था। रूस-यूक्रेन युद्ध कभी नहीं होना चाहिए था। किसी न किसी तरह, हमें इसे खत्म करना ही होगा। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस योजना को उनका अंतिम प्रस्ताव न मानने का उनका क्या मतलब है और व्हाइट हाउस ने स्पष्टीकरण के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया।

ड्यूमा अध्यक्ष ने भारत-रूस संसदीय संबंधों को बढ़ावा देने में ओम बिरला की भूमिका को सराहा

» मॉस्को, भाषा।

रूसी संसद के निचले सदन ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को जन्मदिन की बधाई देते हुए भारत-रूस सहयोग को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की। ड्यूमा की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बधाई संदेश में वोलोदिन ने कहा, ड्यूमा के प्रतिनिधि अंतर-संसदीय सहयोग के विकास एवं रूस और भारत के बीच विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी में आपके योगदान को अत्यधिक महत्व देते हैं, जिससे हमारे देशों के लोगों के बीच मित्रता मजबूत होगी।

बिरला (64) के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा, हर काम में सफलता आपके साथ रहे। वोलोदिन ने इस साल फरवरी में अपनी भारत यात्रा को भी याद किया जब उन्होंने एक रूसी संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान, बिरला के साथ चर्चा का एक मुख्य विषय दोनों देशों के नेताओं द्वारा लिए गए निर्णयों के लिए विधाई समर्थन और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा का था।

निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश संभवतः अगले सप्ताह से जारी होंगेः गोयल

वैश्विक शुल्क वृद्धि

» यरुशलम, भाषा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 25,060 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के विस्तृत दिशानिर्देश अगले सप्ताह से जारी हो सकते हैं। इसमें योजना के सभी हिस्से और उद्योग को मिलने वाले लाभों की पूरी जानकारी होगी। सरकार ने 12 नवंबर को 25,060 करोड़ रुपए की इस योजना को मंजूरी दी थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर छह वित्त वर्षों के लिए है। इसका मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना है।

यह मिशन दो उप-योजनाओं से लागू होगा निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़ रुपए) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़ रुपए)। गोयल ने कहा, निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश बहुत जल्द जारी होंगे। मुझे लगता है कि अगले सप्ताह तक इसके सारे हिस्से और उद्योग को क्या फायदे होंगे, उसकी पूरी जानकारी दे दी जाएगी। इस मिशन के तहत उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो हाल में वैश्विक शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऊंचे आयात शुल्क की वजह से अक्टूबर में अमेरिका को भारत का माल निर्यात 8.58 प्रतिशत घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया। गोयल ने कहा, पांच दिसंबर को रूस का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। हम अलग-अलग तरीकों से प्रभावित क्षेत्रों को सहारा दे रहे हैं। मंत्री इस समय इजरायल में हैं। वह 60 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

यरुशलम। भारत और इजरायल अपने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्द लाभ मिल सके। यह बात वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कही। भारत और इजरायल ने इस समझौते के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए बृहस्पतिवार को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगमीकरण, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना तथा सेवा व्यापार को बढ़ावा देने के नियमों में ढील देना शामिल है। गोयल ने यहां कहा, हम इसे दो चरणों में करने पर विचार कर रहे हैं। वार्ता शुरू होने पर इस बारे में फैसला लिया जाएगा। दोनों मंत्री चाहते हैं कि पहला चरण जल्द पूरा हो जाए ताकि व्यापारिक समुदाय को जल्द फायदा मिलना शुरू हो जाए। मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने इजरायल आए हैं। वह 60 सदस्ईय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों ने संवेदनशील मुद्दों को अभी छूने से बचने का फैसला किया है। गोयल ने कहा कि दोनों देश देखेंगे कि नवाचार और आरएंडडी किस तरह एक-दूसरे के देशों में ज्यादा निवेश ला सकते हैं। हम संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे, जहां हमें उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिले और वे भारत जैसे बड़े बाजार का फायदा उठा सकें।

जी-20 शिखर सम्मेलन के अमेरिका से जुड़े एक और कूटनीतिक विवाद के साथ समाप्त होने की संभावना

जोहानिसबग। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन रविवार को अमेरिका के साथ एक और कूटनीतिक विवाद के साथ समाप्त होने वाला है, क्योंकि मेजबान देश ने समूह की अध्यक्षता एक कनिष्ठ अमेरिकी अधिकारी को सौंपने से इनकार कर दिया है।अमेरिका ने जोहानिसबर्ग में अमीर और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की दो दिवसीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि ट्रप प्रशासन ने दावा किया था कि दक्षिण अफ्रीका अपने अफ्रीकी श्वेत अल्पसंख्यकों पर हिंसक अत्याचार कर रहा है। अमेरिका 2026 में जी-20 की अध्यक्षता करेगा और उसका कहना है कि वह फ्लोरिडा के डोरल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्फ क्लब में शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इस बात पर जोर दिया है कि इस शिखर सम्मेलन के अंत में पारंपरिक हस्तांतरण समारोह संभवतः नहीं होगा क्योंकि अमेरिका केवल अपने दूतावास से एक राजनयिक अधिकारी को भेजना चाहता था। उन्होंने इसे दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा का अपमान बताया। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा, अमेरिका जी-20 का सदस्य है और यदि वे प्रतिनिधित्व चाहते हैं तो वे अभी भी सही स्तर पर किसी को भी भेज सकते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, रामाफोसा अमेरिका और अमेरिका के राष्ट्रपति के खिलाफ कुछ बोल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अफ्रीका में आयोजित पहले जी-20 शिखर सम्मेलन में शनिवार को वार्ता के पहले दिन नेताओं का घोषणापत्र जारी करके परंपरा को तोड़ दिया। आमतौर पर घोषणापत्र शिखर सम्मेलन के अंत में जारी किए जाते हैं। चीन, रूस, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान और कनाडा समेत जी-20 के अन्य देशों ने उस घोषणा का समर्थन किया, जिसमें मुख्य रूप से उन मुद्दों पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया गया है जो विशेष रूप से गरीब देशों को प्रभावित करते हैं। कुछ लोगों ने रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसे सबसे प्रमुख वैश्विक संकटों को सुलझाने में जी-20 की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया।

28-बिंदु वाला शांति प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन और क्रेमलिन द्वारा तैयार किया गया था

रूबियो ने यूक्रेन शांति योजना के अमेरिका की योजना होने से इनकार किया है: अमेरिकी सीनेटर

» हैलीफैक्स (कनाडा), भाषा।

रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण के आलोचक कई सीनेटर ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बातचीत के दौरान उन्हें बताया कि जिस शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए ट्रंप द्वारा कीव पर दबाव डाला जा रहा है वह असल में अमेरिकी योजना नहीं, बल्कि रूसियों की इच्छा सूची है। यह 28-बिंदु वाला शांति प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन और क्रेमलिन द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया था। इस प्रस्ताव में कई ऐसे रूसी मांगों को शामिल किया गया है जिन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दर्जनों बार नकार दिया है।

इसमें यूक्रेन द्वारा बड़े भूभागों को छोड़ना भी शामिल है। ट्रंप का कहना है कि वह चाहते हैं कि यूक्रेन इस प्रस्ताव को अगले सप्ताह के अंत तक स्वीकार कर ले। अमेरिका के कई सीनेटर ने शनिवार को पहले कहा था कि इससे मॉस्को को उसके आक्रामकता के लिए इनाम मिलेगा और ऐसे दूसरे नेताओं को एक संदेश भी देगा जिन्होंने अपने पड़ोसियों को धमकाया है। इन सीनेटर का इस योजना के खिलाफ विरोध अन्य अमेरिकी कानून निर्माताओं की आलोचना के बाद सामने आया है, जिनमें कुछ रिपब्लिकन सीनेटर भी शामिल हैं। हालांकि इनमें से कोई भी इसे रोकने की शक्ति नहीं रखता। ये सीनेटर कनाडा में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में बोल रहे थे। इन सीनेटर में एक डेमोक्रेटिक, एक निर्दलीय और एक रिपब्लिकन शामिल थे। मेन के निर्दलीय सीनेटर एंगस किंग ने कनाडा में हैलीफ़ैक्स इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोरम में एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, यह एक तरह से आक्रामकता को पुरस्कृत करने जैसा है। यह बिल्कुल साफ है। रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन पर दावा करने का कोई नैतिक, कानूनी, या राजनीतिक आधार नहीं है। सीनेट विदेश संबंध समिति सदस्य किंग ने इस प्रस्ताव की तुलना 1938 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन के एडॉल्फ हिटलर के साथ हुए म्यूनिख समझौते से की, जो तुष्टीकरण का एक ऐतिहासिक असफल कार्य। किंग और डेमोक्रेटिक सेनेटर जीन शाहीन ने बाद में कहा कि उन्होंने और फोरम में उनके साथी सेनेटर ने रुबियो से बात की। किंग ने कहा कि रुबियो ने उन्हें बताया कि यह योजना प्रशासन की नहीं थी बल्कि रूस की इच्छा सूची थी। शाहीन ने कहा कि रुबियो यूरोपी देशों और यूक्रेन के नेताओं से बातचीत के लिए जिनेवा जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रुबियो ने उनसे और साउथ डकोटा से रिपब्लिकन सेनेटर माइक राउंड्स से बात की। शाहीन ने कहा, यह एक रूसी प्रस्ताव है। इस योजना में कुछ ऐसा है जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। राउंड्स ने भी कहा, यह हमारा शांति प्रस्ताव नहीं है। ऐसा लगता है जैसे इसे रूसी में लिखा गया हो।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,